सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र

रूखे और बेजान बालों को चमकाने के लिए इन नुस्खों का करें पेज: 7

टॉक्सिक में यश के साथ बोल्डसीन वाली खबरों पर पेज: 8

वर्ष : 02 | अंक : 42 | बुधवार 13 मई 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए

पश्चिम एशिया संकट पर शरद पवार की पीएम मोदी को सलाह, तुरंत बुलाएं सर्वदलीय बैठक

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एससीपी) के सुप्रीमो शरद पवार ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से पश्चिम एशिया संकट के भारत पर पड़ने वाले प्रभाव को लेकर जताई जा रही चिंताओं के मद्देनजर सर्वदलीय बैठक बुलाने और आर्थिक विशेषज्ञों से परामर्श करने का आग्रह किया। एक पोस्ट में पवार ने आरोप लगाया कि पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के मद्देनजर प्रधानमंत्री द्वारा हाल ही में की गई घोषणाओं के दूरगामी आर्थिक परिणाम हो सकते हैं और इनसे नागरिकों, व्यवसायों और निवेशकों में बेचैनी पैदा हो गई है। पवार ने कहा कि मध्य पूर्व में अस्थिरता और युद्ध जैसी स्थिति के मद्देनजर, दो दिन पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कुछ घोषणाएं कीं। इनका देश की अर्थव्यवस्था पर दूरगामी प्रभाव पड़ने की संभावना है। इन घोषणाओं की अचानक प्रकृति ने आम नागरिकों, उद्योग-व्यापार क्षेत्र और निवेशकों के बीच बेचैनी का माहौल पैदा कर दिया है।

मंच पर थे मोदी, शाह, राजनाथ समेत वीवीआईपी, हिमंत बिस्वा शर्मा के शपथग्रहण में कारतूस लेकर पहुंचा शख्स

असम एजेंसीः असम की नई सरकार के शपथ ग्रहण समारोह स्थल पर एक व्यक्ति को हिरासत में लिया गया, जिसके पास से कुछ जिंदा गोलियां बरामद हुईं। खानपारा स्थित पशु चिकित्सा महाविद्यालय मैदान के प्रवेश द्वार पर सुरक्षा जांच के दौरान जिंदा गोलियां बरामद की गईं, जहां हिमंता बिस्वा शर्मा ने लगातार दूसरी बार असम के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। पुलिस के अनुसार, उस व्यक्ति को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया और उसे बसिष्ठा पुलिस स्टेशन ले जाया जा रहा था। हालांकि, उसके पास से कोई हथियार बरामद नहीं हुआ। पुलिस अधिकारी के हवाले से कहा गया है, बरामदगी से जुड़े हालातों का पता लगाने और यह निर्धारित करने के लिए जांच चल

रही है कि क्या इसमें कोई सुरक्षा खतरा शामिल था। गुवाहाटी के खानापारा पशु चिकित्सालय में आयोजित एक समारोह में राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने 57 वर्षीय हिमंता को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। यह घटना राज्यपाल द्वारा हिमंता को शपथ दिलाने से कुछ मिनट पहले घटी, उस समय परिषद के कई नए सदस्य भी उपस्थित थे। इस समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, जहाजरानी मंत्री सरबानंदा सोनोवाल और सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। एनडीए के 40 से अधिक मुख्यमंत्री और

उसके पास से कोई हथियार बरामद नहीं हुआ

पुलिस के अनुसार, उस व्यक्ति को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया और उसे बसिष्ठा पुलिस स्टेशन ले जाया जा रहा था। हालांकि, उसके पास से कोई हथियार बरामद नहीं हुआ। पुलिस अधिकारी के हवाले से कहा गया है, बरामदगी से जुड़े हालातों का पता लगाने और यह निर्धारित करने के लिए जांच चल रही है कि क्या इसमें कोई सुरक्षा खतरा शामिल था।

उपमुख्यमंत्री भी इस कार्यक्रम में शामिल हुए। हिमंता के साथ-साथ भाजपा के रामेश्वर तेली और अजंता नियोग, एजीपी के अतुल बोरा और बीपीएफ के चरण बोरो सहित चार विधायकों ने भी मंत्री पद की शपथ ली। यह समारोह एनडीए द्वारा 126 सदस्यीय विधानसभा में रिकॉर्ड 102 सीटें जीतने के बाद आयोजित किया गया, जिनमें से 82 सीटें भाजपा को मिलीं। भाजपा के सहयोगी दलों, असम गण परिषद (एजीपी) और बोडोलैंड पीपुल्स फ्रंट (बीपीएफ) को 10-10 सीटें मिलीं। राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के नेताओं नेअसम में नवगठित भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार को हार्दिक बधाई दी और विश्वास व्यक्त किया कि राज्य अब विकास की नई ऊंचाइयों को छूता रहेगा। हिमंता बिस्वा सरमा ने मंगलवार को लगातार दूसरी बार असम के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली, क्योंकि भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए ने राज्य में लगातार तीसरी बार सरकार बनाई है। सरमा के अलावा, चार अन्य मंत्रियों ने भी नए मंत्रिपरिषद में शपथ ली। पूर्व केंद्रीय मंत्री रामेश्वर तेली, असम गण परिषद (एजीपी) के अध्यक्ष अतुल बोरा, यूनाइटेड पीपुल्स पार्टी लिबरल (यूपीपीएल) के नेता चरण बोरो और वरिष्ठ भाजपा नेता अजंता नियोग ने मंत्री पद की शपथ ली। इस समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के अलावा एनडीए शासित 22 राज्यों के नेता और मुख्यमंत्री भी उपस्थित थे।

ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान की मदद पर भारत की चीन को दो टूक, 'आतंक का साथ साख खराब करेगा'

नई दिल्ली एजेंसीः भारत ने मंगलवार को उन रिपोर्टों पर तीखी प्रतिक्रिया जारी की जिनमें दावा किया गया था कि चीन ने पिछले साल मई में ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान की मदद की थी। भारत ने कहा कि जो देश खुद को इसके लिए जिम्मेदार मानते हैं, उन्हें इस बात पर विचार करना चाहिए कि इस तरह की कार्रवाइयां उनकी वैश्विक प्रतिष्ठा को कैसे प्रभावित करती हैं। ये बयान तब आया जब एक चीनी अधिकारी ने कथित तौर पर स्वीकार किया कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद दोनों पड़ोसी देशों के बीच बढ़े तनाव के दौरान बीजिंग ने पाकिस्तान को मौके पर तकनीकी सहायता प्रदान की थी। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक मीडिया ब्रीफिंग

के दौरान कहा कि हमने ये रिपोर्टें देखी हैं जो पहले से ज्ञात बातों की पुष्टि करती हैं। ऑपरेशन सिंदूर पहलगाम में हुए आतंकी हमलों का एक सटीक, लक्षित और सुनियोजित जवाब था, जिसका उद्देश्य पाकिस्तान से संचालित और उसके इशारे पर काम कर रहे राज्य प्रायोजित आतंकी ढांचे को नष्ट करना था। उन्होंने आगे कहा कि जो देश खुद को जिम्मेदार समझते हैं, उन्हें इस बात पर विचार करना चाहिए कि आतंकी ढांचे की रक्षा करने के प्रयासों का समर्थन करना उनकी प्रतिष्ठा और साख को प्रभावित करता है या नहीं। 22 अप्रैल, 2025 को जम्मू और कश्मीर के पहलगाम में लश्कर से जुड़े आतंकवादियों द्वारा 26 पर्यटकों की गोली मारकर हत्या करने के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ गया। इस हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में आतंकी ढांचे को निशाना बनाते हुए सैन्य हमले शुरू किए। साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट के अनुसार, पिछले सप्ताह चीनी मीडिया द्वारा प्रसारित एक साक्षात्कार में, चीन के विमानन उद्योग निगम के चेंगदू विमान डिजाइन और अनुसंधान संस्थान के इंजीनियर झांग हेंग ने पाकिस्तानी अभियानों में चीन की प्रत्यक्ष भागीदारी के बारे में बात की। हेंग उन लोगों में शामिल थे जिन्होंने संघर्ष के दौरान पाकिस्तान को तकनीकी सहायता प्रदान की थी। उन्होंने कहा कि सहायता केंद्र पर, हम अक्सर लड़ाकू विमानों के उड़ान भरने की गर्जना और हवाई हमले के सायरन की लगातार आवाज सुनते थे। मई में देर सुबह तक तापमान 50 डिग्री सेल्सियस के करीब पहुंच जाता था।

2024 में टीवीके की सुनामी की भविष्यवाणी की थी, विजय ने अपने ज्योतिषी को ओएसडी बनाया

नई दिल्ली एजेंसीः तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय के ज्योतिषी रिकी राधान पंडित वेट्टीवेल को तत्काल प्रभाव से मुख्यमंत्री के विशेष कार्यपालक के रूप में नियुक्त किया गया है। राधान तमिलगा वेट्री कजगम (टीवीके) के प्रवक्ता भी हैं। प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है, तमिलनाडु लोक विभाग ने रिकी राधान पंडित वेट्टीवेल को मुख्यमंत्री (राजनीतिक) के विशेष कार्यपालक (ओएसडी) के रूप में कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से नियुक्त करने का आदेश जारी किया है। राधान पंडित ने टीवीके की जीत की भविष्यवाणी की थी उन्होंने हाल ही में हुए तमिलनाडु विधानसभा चुनावों में अभिनेता-राजनेता विजय विजय की पार्टी तमिलगा वेट्री कजगम (टीवीके) के लिए 'सुनामी जैसी

जीत' की भविष्यवाणी की है। राधान ने विजय की कुंडली को "असाधारण" बताया है, यहां तक कि इसे "सुनामी कुंडली" भी कहा है, और दावा किया है कि अभिनेता-राजनेता शीर्ष पर पहुंचेंगे और संभवतः भारी बहुमत से मुख्यमंत्री बनेंगे। एग्जिट पोल के दौरान पंडित ने दावा किया कि वे 170 या 140 से अधिक सीटों से चुनाव जीतेंगे। उन्होंने एएनआई को बताया, "हम इन एग्जिट पोल को नजरअंदाज कर रहे हैं। मुझे पूरा यकीन है कि हम 170 या 140 से अधिक सीटों से चुनाव जीतेंगे। हमने अच्छी तरह से अध्ययन किया है। हमने अपना व्यक्तिगत सर्वेक्षण भी कराया है। हमें कम से कम 45% वोट मिलने का पूरा भरोसा है। यह 20-25 प्रतिशत के बीच नहीं है... मतगणना के लिए 108 घंटे शेष हैं... 109वें घंटे में हम शपथ लेंगे। हमारे विजय असाधारण तरीके से मुख्यमंत्री बनेंगे। गौरतलब है कि 2026 के तमिलनाडु विधानसभा चुनाव ने राज्य में एक बड़ा राजनीतिक बदलाव लाया। 234 सदस्यीय विधानसभा में टीवीके ने 108 सीटें जीतकर एक मजबूत ताकत के रूप में उभरी। हालांकि पार्टी को अपने दम पर स्पष्ट बहुमत नहीं मिला, लेकिन उसने कांग्रेस, सीपीआई, सीपीआई (एम), वीसीके और इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग के समर्थन से सरकार बनाने में कामयाबी हासिल की। राधान पंडित की सलाह पर शपथ ग्रहण का समय बदला गया तमिलनाडु के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ द्वारा विजय के सरकार बनाने के दावे को कथित तौर पर कई बार खारिज किए

नीट-यूजी पेपर लीक पर गरजे राहुल गांधी , बोले- अमृत काल जहर युग बन गया, सरकार जिम्मेदार

नई दिल्ली एजेंसीः लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने मंगलवार को नीट-यूजी 2026 परीक्षा रद्द होने के बाद भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर हमला करते हुए कहा कि लाखों छात्रों की मेहनत, बलिदान और सपने सरकारी लापरवाही और शिक्षा में संगठित भ्रष्टाचार के कारण चकनाचूर हो गए हैं। यह प्रतिक्रिया राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) द्वारा 3 मई को आयोजित नीट-यूजी 2026 परीक्षा को पेपर लीक और अनियमितताओं के आरोपों के बीच रद्द करने की घोषणा के बाद आई है। सरकार ने इस मामले को व्यापक जांच के लिए केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को सौंप दिया है। पर एक पोस्ट में राहुल गांधी ने कहा कि मेडिकल प्रवेश परीक्षा रद्द होने से देशभर के छात्रों और उनके परिवारों पर गहरा असर पड़ा है। उन्होंने कहा कि नीट 2026 परीक्षा रद्द कर दी गई है। 22 लाख से अधिक छात्रों की मेहनत, त्याग और सपनों को इस भ्रष्ट भाजपा

सरकार ने चकनाचूर कर दिया है। कांग्रेस नेता ने इस बेहद प्रतिस्पर्धी परीक्षा की तैयारी कर रहे परिवारों पर पड़ने वाले आर्थिक और भावनात्मक बोझ को उजागर किया। गांधी ने लिखा कि कुछ पिताओं ने कर्ज लिया, कुछ माताओं ने अपने गहने बेच दिए, लाखों बच्चे रात-रात भर जागकर पढ़ाई करते रहे, और बदले में उन्हें पेपर लीक, सरकारी उपेक्षा और शिक्षा में संगठित भ्रष्टाचार मिला। इस स्थिति को छात्रों के साथ विश्वासघात बताते हुए उन्होंने आगे कहा कि यह सिर्फ एक विफलता नहीं है–यह युवाओं के भविष्य के खिलाफ एक अपराध है। राहुल गांधी ने आगे आरोप लगाया कि ईमानदार छात्र पीड़ित हो रहे हैं जबकि पेपर लीक करने वाले जवाबदेही से बच रहे हैं। उन्होंने कहा कि हर बार पेपर माफिया बिना किसी सजा के बच जाता है, जबकि ईमानदार छात्रों को इसका खामियाजा भुगतना पड़ता है। उन्होंने पुनर्परीक्षा प्रक्रिया के कारण उम्मीदवारों को होने वाले तनाव की ओर भी इशारा किया। गांधी ने कहा कि अब लाखों छात्रों को एक बार फिर उसी मानसिक तनाव, आर्थिक बोझ और अनिश्चितता का सामना करना पड़ेगा।

पश्चिम बंगाल में 'डबल-इंजन' सरकार का एक्शन, सीएम सुवेंदु के फैसलों से गदगद हुए पीएम मोदी

नई दिल्ली एजेंसीः प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को पश्चिम बंगाल में नव निर्वाचित भाजपा सरकार के मंत्रिमंडलीय निर्णयों को जनता के कल्याणकारी कदम बताते हुए उनकी सराहना की। प्रधानमंत्री ने मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी द्वारा राज्य में आयुष्मान भारत योजना के कार्यान्वयन को मंजूरी दिए जाने पर खुशी व्यक्त की। पीएम मोदी ने अपने पोस्ट में लिखा कि पश्चिम बंगाल के मेरे भाई-बहनों का कल्याण सर्वोपरि है! मुझे बहुत खुशी है कि राज्य के लोगों को आयुष्मान भारत योजना का लाभ मिलेगा, जो विश्व की सबसे बड़ी स्वास्थ्य योजना है और उच्च गुणवत्ता वाली एवं किफायती स्वास्थ्य सेवाएं सुनिश्चित करती है। साथ ही, दोहरी इंजन वाली सरकार प्रमुख केंद्रीय योजनाओं का सुचारू रूप से संचालन सुनिश्चित करेगी। 9 मई को पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने के बाद, सुवेंदु अधिकारी ने सोमवार को अपनी पहली कैबिनेट बैठक की अध्यक्षता की और भारत-बांग्लादेश सीमा पर बाड़ लगाने के लिए सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) को भूमि हस्तांतरण को मंजूरी दी। साथ ही, राज्य में आयुष्मान भारत योजना को लागू करने की भी स्वीकृति दी गई। पहली कैबिनेट बैठक में छह निर्णय लिए गए। नव निर्वाचित मुख्यमंत्री ने कहा कि अवैध घुसपैठ की समस्या से निपटने के लिए 45 दिनों के भीतर भूमि गृह मंत्रालय को सौंप दी जाएगी। यह भाजपा के विधानसभा चुनाव के चुनावी एजेंडे को आगे बढ़ाने का कदम है। अधिकारी ने कहा कि अपनी पहली कैबिनेट बैठक में ही हमने बीएसएफ को जमीन हस्तांतरित करने का निर्णय लिया है।

इस जमीन के हस्तांतरण की प्रक्रिया आज से शुरू हो रही है। अगले 45 दिनों के भीतर इसे गृह मंत्रालय को हस्तांतरित कर दिया जाएगा।

नीट-यूजी पेपर लीक पर देश में बवाल, सवालों से बचते दिखे शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान

नई दिल्ली एजेंसीः अनियमितताओं और पेपर लीक के आरोपों की पुष्टि होने के बाद नीट स्नातक परीक्षा रद्द कर दी गई है, जिससे लाखों छात्र प्रभावित हुए हैं जिन्होंने इस मेडिकल प्रवेश परीक्षा की तैयारी में वर्षों बिताए थे। उम्मीदवारों के लिए पुनः परीक्षा आयोजित की जाएगी। पत्रकारों द्वारा संपर्क किए जाने पर केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने पेपर लीक विवाद के संबंध में सवालों के जवाब देने या कोई प्रतिक्रिया देने से इनकार कर दिया। यह रद्द होना देशभर के उम्मीदवारों के लिए एक बड़ा झटका है। कोचिंग केंद्रों से मिली जमीनी रिपोर्टों से पता चलता है कि उम्मीदवारों पर इसका भावनात्मक प्रभाव पड़ा है, और छात्र इस घटनाक्रम पर रोते हुए देखे गए हैं। यह परीक्षा, जिसने छात्रों की सहायता के लिए विभिन्न राज्य स्तरीय मेडिकल प्रवेश परीक्षाओं को एक एकीकृत प्रारूप में मिला दिया था, अब विवादों के केंद्र में है। सरकार ने इस मुद्दे पर चुप्पी साध

रखी है और प्रभावित छात्रों और अभिभावकों की चिंताओं को दूर करने के लिए अभी तक कोई आधिकारिक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित नहीं की गई है। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) ने तीन मई को आयोजित मेडिकल प्रवेश परीक्षा ह्यनीट-यूजी-2026 को इसका प्रश्नपत्र लीक होने के आरोपों के मद्देनजर मंगलवार को रद्द करने की घोषणा की तथा सरकार ने सीबीआई को इन अनियमितताओं की विस्तृत जांच करने का आदेश दिया। चिकित्सा महाविद्यालयों में स्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए यह परीक्षा अब नए सिरे से आयोजित की जाएगी, जिसकी तिथियां अलग से अधिसूचित की जाएंगी। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी ने सोशल मीडिया मंच ह्यएक्सह्ण पर जारी एक बयान में कहा कि यह निर्णय पारदर्शिता बनाए रखने और राष्ट्रीय परीक्षा प्रणाली में विश्वास को बरकरार रखने के लिए लिया गया है। उसने कहा कि केंद्रीय एजेंसियों के साथ मिलकर एनटीए द्वारा तथ्यों को परखे जाने और कानून प्रवर्तन एजेंसियों द्वारा साझा की गई जानकारी के आधार पर राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी ने तीन मई 2026 को आयोजित नीट (यूजी) 2026 परीक्षा को भारत सरकार की मंजूरी से रद्द करने और अलग से अधिसूचित तिथियों पर परीक्षा पुनः आयोजित करने का निर्णय लिया है।

नीट पेपर लीक पर अशोक गहलोत ने भाजपा सरकार को घेरा, पूछा- पुलिस ने प्राथमिकी क्यों नहीं की?

नई दिल्ली एजेंसीः राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने मंगलवार को राज्य की भाजपा सरकार की नीट-यूजी परीक्षा के संचालन को लेकर आलोचना की, जिसके बाद केंद्र ने परीक्षा रद्द कर दी थी। परीक्षा में अनियमितताओं और पेपर लीक के आरोपों के बीच, केंद्र ने मंगलवार को 3 मई को आयोजित नीट-यूजी 2026 परीक्षा रद्द कर दी और घोषणा की कि देश की सबसे बड़ी स्नातक चिकित्सा प्रवेश परीक्षा अलग से अधिसूचित तिथियों पर पुनः आयोजित की जाएगी। सरकार ने आरोपों की व्यापक जांच के लिए मामला केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को सौंप दिया है। देश भर में कई पेपर लीक के पीछे राष्ट्रीय स्तर के गिरोहों का आरोप लगाते हुए, गहलोत ने केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) से पेपर लीक जांच में तार्किक निष्कर्ष पर पहुंचने का आग्रह किया और केंद्र से इस मुद्दे के समाधान पर ध्यान केंद्रित करने को कहा। कांग्रेस नेता ने पत्रकारों से कहा, "यह समझ से परे है। जब छात्रों ने 3 और 4 मई को रिपोर्ट दर्ज कराई, तो पुलिस ने ध्यान नहीं दिया। फिर छात्रों ने एनटीए को पत्र लिखा, जिसके बाद पुलिस ने मामला स्वीकार किया और जांच एसओजी को सौंप दी गई। 20 से

30 लोगों को गिरफ्तार किया गया। लेकिन, पता नहीं पुलिस एफआईआर क्यों दर्ज नहीं कर रही थी। एनटीए से लगातार तीन साल से प्रश्नपत्र लीक हो रहे हैं। जब तक इसकी जड़ तक नहीं पहुंचा जाएगा, यह जारी रहेगा। उन्होंने आगे कहा कि कई राज्यों में प्रश्नपत्र लीक होते हैं। युवा प्रश्नपत्र लीक करने वाले

सरकार ने आरोपों की व्यापक जांच के लिए मामला केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को सौंप दिया है। देश भर में कई पेपर लीक के पीछे राष्ट्रीय स्तर के गिरोहों का आरोप लगाते हुए, गहलोत ने केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) से पेपर लीक जांच में तार्किक निष्कर्ष पर

गिरोहों से नाराज हैं। मैंने केंद्र से इन राष्ट्रीय स्तर के गिरोहों के मुद्दे को हल करने की अपील की थी। एनटीए ने एफआईआर दर्ज किए बिना परीक्षा रद्द कर दी, जिसका मतलब है कि उनके पास लीक का कोई ठोस सबूत जरूर होगा। राजस्थान सरकार और एसओजी के पास सबूत क्यों नहीं हैं? हमारे कार्यकाल में भी प्रश्नपत्र रद्द हुए थे, लेकिन मामले दर्ज किए गए थे। यह बहुत ही दुखद घटना है। सीबीआई को तार्किक निष्कर्ष पर पहुंचना चाहिए। धर्मेंद्र प्रधान को इस पर ध्यान देना चाहिए। राजस्थान कांग्रेस नेता टीकाराम जुली ने भी राज्य पुलिस पर सवाल उठाते हुए कहा, "आज जो नीट परीक्षा स्थगित की गई है, उसकी शिकायतें पहले भी पुलिस को मिली थीं, लेकिन उन्होंने उन पर ध्यान नहीं दिया। राजस्थान पुलिस ने इस मामले में प्राथमिकी दर्ज क्यों नहीं की और इसे पेपर लीक क्यों नहीं माना? इसकी जांच न्यायपालिका के मार्गदर्शन में होनी चाहिए। पेपर माफिया का नेटवर्क पूरे देश में फैला हुआ है। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) ने कहा कि केंद्रीय एजेंसियों के साथ समन्वय में मिली जानकारियों की जांच के बाद परीक्षा दोबारा कराने का फैसला लिया गया। कानून प्रवर्तन एजेंसियों द्वारा साझा की गई जांच में परीक्षा प्रक्रिया की निष्पक्षता पर चिंता जताई गई थी। इस बीच, नेशनल स्टूडेंट्स यूनियन ऑफ इंडिया एनएसयूआई के कार्यकताओं ने केंद्र सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों को शास्त्री भवन पर लगे बैरिकेड्स पर चढ़कर अपना विरोध जताते देखा

संपादकीय

सोने व ईंधन का संयम

खाड़ी युद्ध से उपजे हालात व बाधित वैश्विक आपूर्ति शृंखला के बीच प्रधानमंत्री का ईंधन के उपयोग व सोने की खरीद में संयम बरतने का आह्वान निस्संदेह, वक्त की जरूरत है। लेकिन तेलंगाना के बाद बडोदरा से दूसरी बार उनके राष्ट्र को संबोधन व इसके समय को लेकर सवाल भी उठे हैं। निस्संदेह, हालात काफी दिनों से चुनौतीपूर्ण बने हैं, रुपये में तेज गिरावट व महंगे कच्चे तेल के आयात की वजह से हमारा विदेशी मुद्रा भंडार काफी दबाव में रहा है। आलोचक सवाल उठा रहे हैं कि इस घोषणा के लिये विधानसभा चुनाव परिणामों का इंतजार क्यों किया गया। कुछ लोगों का मानना है कि सत्ता शीर्ष से किया गया आह्वान कई बार देश में असुरक्षाबोध पैदा करता है, जिसका नकारात्मक असर भी पड़ सकता है। दरअसल, इससे कृत्रिम संकट पैदा करने वाले तत्व भी सक्रिय हो जाते हैं। इससे चीजों की जमाखोरी और कालाबाजारी को भी बढ़ावा मिलता है। इसमें दो राय नहीं कि देश बड़ी मात्रा में कच्चा तेल व सोना आयात करता है। जाहिर बात है जब इनकी वैश्विक कीमतें बढ़ती हैं तो इन दोनों के कारण भारी दबाव देश के विदेशी मुद्रा भंडार पर पड़ता है। निस्संदेह, विषम वैश्विक परिस्थितियों में ईंधन की बचत, घरेलू पर्यटन को बढ़ावा देना और आयात पर निर्भरता कम करना चुनौतियों से मुकाबले के लिये समझदारी भरे उपाय हैं। लेकिन एक हकीकत यह भी है कि पिछले डेढ़ माह में सरकार विधानसभा चुनावों में व्यस्त रही। इस दौरान आर्थिक प्रबंधन का मुद्दा हाशिये पर चला गया। अब इन चुनौतियों से मुकाबले के प्रयास किए जा रहे हैं। लेकिन लोगों से विदेशों में शादियां टालने, सोना खरीदने से बचने के लिये कहना बताता है कि रुपये में तेज गिरावट से सरकार चिंतित है। कहा जा रहा है कि बार-बार अर्थव्यवस्था के मजबूत होने का दावा करने वाली सरकार को जनता से व्यवहार में संयम बरतने का आग्रह करने की जरूरत आखिर क्यों पड़ी।

दरअसल, आशंका यह भी है कि इन कदमों के ऐसे भी नतीजे निकल सकते हैं,जिनकी उम्मीद न की गई हो। निर्विवाद रूप से सोना भारतीय संस्कारों में है। वहीं भारत में आभूषण उद्योग लाखों लोगों की रोजी-रोटी का जरिया है। ऐसे में सोने की खरीद में गिरावट से संपन्न निवेशकों के मुकाबले श्रमिकों को ज्यादा नुकसान पहुंच सकता है। वहीं दूसरी ओर वर्क-फ्रॉम होम की नीति, काम करने वालों के बड़े तबके के लिए व्यावहारिक नहीं है। निस्संदेह, किसी भी आसन्न संकट में नागरिकों की जिम्मेदारी मायने रखती है। यह हमारा राष्ट्रीय कर्तव्य है। लेकिन सवाल यह है कि मंत्रियों के कारों के काफिलों पर भी अंकुश लगेगा.. क्या शासन प्रशासन की शाहखर्ची पर लगाम लगेगी...। यदि ऐसा नहीं होता तो जनता की स्वतःस्फूर्त पहल प्रभावित होगी। वैसे भी नागरिक जिम्मेदारी एक हद तक तो प्रभावी हो सकती है,लेकिन वह किसी आपातकालीन योजना का विकल्प नहीं हो सकती। सरकार को भी अपनी आर्थिक नीतियों पर पुनर्विचार की जरूरत है। जहां तक सोने की खरीद पर संयम का सवाल है तो उससे देश में गहरा भावनात्मक लगाव जुड़ा रहा है। सोना हमारी संस्कृति, परंपरा, बचत और पारिवारिक समारोहों में गहरे तक शामिल रहा है। लेकिन सदियों से सम्मोहित करते सोने का आयात विदेशी मुद्रा भंडार पर गहरा असर डालता है।

चिंतन-मनन

श्रम रहित परिश्रम

महर्षि वेदव्यास किसी नगर से गुजर रहे थे। उन्होंने एक कीड़े को तेजी से भागते हुए देखा। मन में सवाल उठा- एक छोटा सा कीड़ा इतनी तेजी से क्यों भागा जा रहा है? उन्होंने कीड़े से पूछा- ऐ क्षुद्र जंतु! तुम इतनी तेजी से कहां जा रहे हो? कीड़ा बोला- हे महर्षि, आप तो इतने ज्ञानी हैं, यहां क्षुद्र कौन और महान कौन? क्या इनकी सही-सही परिभाषा संभव है? महर्षि सकपकाए। फिर सवाल किया- अच्छा बताओ कि तुम इतनी तेजी से कहां भागे जा रहे हो? इस पर कीड़े ने कहा-अरे! मैं तो अपनी जान बचाने के लिए भाग रहा हूं। देख नहीं रहे कि पीछे कितनी तेजी से बैलगाड़ी चली आ रही है।

कीडे के उत्तर ने महर्षि को फिर चौंकाया। वह बोले- पर तुम तो इस कीट योनि में पड़े हो। यदि मर गए तो तुम्हें दूसरा और अच्छा शरीर मिलेगा। इस पर कीड़ा बोला- महर्षि! मैं तो कीड़े की योनि में रहकर कीड़े का आचरण कर रहा हूं, पर ऐसे प्राणी बहुत हैं जिन्हें विधाता ने शरीर तो मनुष्य का दिया है, पर वे मुझ कीड़े से भी गया-गुजरा आचरण कर रहे हैं। महर्षि उस नन्हे से जीव के कथन पर सोचते रहे, फिर उन्होंने उससे कहा- चलो, हम तुम्हारी सहायता कर देते हैं। कीड़े ने पूछा- किस तरह की सहायता? महर्षि बोले-तुम्हें उठाकर मैं आने वाली बैलगाड़ी से दूर पहुंचा देता हूं। इस पर कीड़े ने कहा- धन्यवाद! श्रम रहित पराश्रित जीवन विकास के सारे द्वार बंद कर देता है। मुझे स्वयं ही संघर्ष करने दीजिए। महर्षि को कोई जवाब न सूझा।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

बढ़ते अपराध और अपराधमुक्त समाज निर्माण की चुनौती

ललित गर्ग

राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के ताजा आंकड़े केवल सांख्यिकीय दस्तावेज नहीं हैं, बल्कि वे हमारे समाज के उस अंधेरे और भयावह चेहरे को सामने लाते हैं, जिसे अक्सर विकास, आधुनिकता और राजनीतिक उपलब्धियों की चमक में छिपा दिया जाता है। वर्ष 2024 के अपराध आंकड़ों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि भारत आर्थिक, तकनीकी और वैश्विक स्तर पर चाहे जितनी प्रगति कर रहा हो, लेकिन सामाजिक और नैतिक स्तर पर अनेक गंभीर चुनौतियों से घिरा हुआ है। जब देश में हर 17 मिनट में हत्या, हर पांच मिनट में अपहरण, हर 18 मिनट में बलात्कार और लगभग हर दो मिनट में आर्थिक अपराध या धोखाधड़ी हो रही हो, तब यह केवल कानून-व्यवस्था का प्रश्न नहीं रह जाता, बल्कि यह पूरे सामाजिक ढांचे, नैतिक मूल्यों और प्रशासनिक तंत्र पर गंभीर प्रश्नचिह्न बनकर खड़ा हो जाता है। आज हम विकसित भारत, आत्मनिर्भर भारत और 2047 तक विश्वगुरु भारत का सपना देख रहे हैं। लेकिन यह सपना तभी साकार हो सकता है, जब समाज भयमुक्त, हिंसामुक्त और अपराधमुक्त बने। अपराधों से ग्रस्त समाज कभी स्वस्थ, संतुलित और आदर्श समाज नहीं बन सकता। यदि समाज का वातावरण असुरक्षा, भय, अविश्वास और हिंसा से भरा होगा, तो विकास की सारी योजनाएं खोखली सिद्ध होंगी। एनसीआरबी के आंकड़े हमें चेतावनी दे रहे हैं कि यदि समय रहते अपराधों की जड़ों को नहीं पहचाना गया और उन पर कठोर अंकुश नहीं लगाया गया, तो यह स्थिति भविष्य में और अधिक विस्फोटक हो सकती है।

विशेष चिंता का विषय महिलाओं के खिलाफ बढ़ते अपराध हैं। राजस्थान का लगातार छठे वर्ष महिलाओं के विरुद्ध अपराधों में शीर्ष पर बने रहना अत्यंत चिंताजनक है। बलात्कार के मामले में यह पहले स्थान पर, जबरन गर्भपात में दूसरे और भ्रूण हत्या में तीसरे स्थान पर है। विवाह के लिए महिलाओं के अपहरण के मामलों में भी राजस्थान चैथे नंबर पर है। इस अपराध में बिहार टॉप, यूपी दूसरे और पंजाब तीसरे स्थान पर है। बिहार 'पकड़वा विवाह' के लिए भी बदनाम है, जिसमें पुरुषों का अपहरण कर जबरन शादी कर दी जाती है। यदि प्रति लाख आबादी के लिहाज से हत्या की दर का विश्लेषण किया जाए तो झारखंड और छत्तीसगढ़ जैसे छोटे राज्य टॉप पर हैं और उत्तर प्रदेश जैसा बड़ा और अपराधों के लिए अक्सर चर्चा में रहने वाला राज्य 12वें स्थान पर। इस मामले में मध्यप्रदेश छठे और राजस्थान सातवें पायदान पर खड़ा है। बलात्कार, भ्रूण हत्या, जबरन गर्भपात और विवाह के लिए अपहरण जैसी घटनाएं यह बताती हैं कि सामाजिक चेतना और नैतिक संस्कारों में गंभीर गिरावट आई है। महिलाओं के प्रति सम्मान, संवेदना और सुरक्षा की भावना कमजोर हुई है। यह विडंबना ही है कि एक ओर हम 'नारी शक्ति' और 'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ' जैसे अभियान चला रहे हैं, वहीं दूसरी ओर महिलाओं के खिलाफ अपराधों के आंकड़े भयावह रूप लेते जा रहे हैं। यह केवल कानून की कमजोरी नहीं, बल्कि सामाजिक मानसिकता की विकृति का भी परिणाम है। आज अपराध का स्वरूप भी तेजी से बदल रहा है। पहले अपराध सड़कों और गलियों तक सीमित थे, लेकिन अब इंटरनेट और डिजिटल तकनीक ने अपराध को नया चेहरा दे दिया है। साइबर अपराध, डिजिटल फ्रॉड, ऑनलाइन ठगी और डेटा चोरी जैसे अपराध तेजी से बढ़ रहे हैं। यह 'सॉफ्टवेयर क्राइम' का नया युग है, जहां अपराधी बिना हथियार और बिना जोखिम उठाए करोड़ों की ठगी कर रहे हैं। इससे स्पष्ट है कि अब केवल परंपरागत पुलिसिंग से काम नहीं चलेगा। पुलिस और जांच एजेंसियों को डिजिटल फॉरेंसिक, साइबर सुरक्षा और डेटा एनालिटिक्स जैसे आधुनिक साधनों से लैस करना होगा। अपराध की नई दुनिया से लड़ने के लिए नई सोच और नई तकनीक की जरूरत है।

हालांकि कुछ संगीन अपराधों में मामूली कमी दर्ज की गई है, लेकिन इसे बहुत बड़ी उपलब्धि मान लेना आत्मप्रवंचना होगी। विशेषज्ञों का मानना है कि नई भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) लागू होने के बाद कई अपराधों को संज्ञेय अपराधों की सूची से हटाया गया है, जिससे आंकड़ों में कमी दिखाई दे रही है। इसलिए अपराध के आंकड़ों का केवल सतही अध्ययन पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनकी गहराई से समीक्षा और विश्लेषण आवश्यक है। हमें यह समझना होगा कि अपराध केवल कानूनी समस्या नहीं है, बल्कि यह सामाजिक, आर्थिक, मनोवैज्ञानिक और सांस्कृतिक कारणों से पैदा होने वाली जटिल चुनौती है। अपराध के बढ़ने में सबसे बड़ा कारण नशा है। आज तो महिलाओं में बढ़ रही नशे की प्रवृत्ति अधिक चिन्ताजनक है। सबसे गंभीर संकेत विद्यार्थियों और बेरोजगार युवाओं में बढ़ती आत्महत्याओं के मामले हैं। यह स्थिति बताती है कि समाज में निराशा, असुरक्षा और भविष्य के प्रति अनिश्चितता का वातावरण गहराता जा रहा है। बेरोजगारी, प्रतिस्पर्धा, शिक्षा का बढ़ता दबाव, पारिवारिक अपेक्षाएं और सामाजिक तुलना युवाओं को मानसिक तनाव की ओर धकेल रही हैं। जब युवा अपने जीवन को अर्थहीन समझने लगें, तब यह केवल व्यक्तिगत त्रासदी नहीं होती, बल्कि राष्ट्र के भविष्य के लिए खतरे की घंटी होती है। इसलिए अपराध और आत्महत्या जैसी समस्याओं को केवल पुलिस या अदालतों के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता। इसके लिए शिक्षा, परिवार, समाज और शासन-सभी को मिलकर काम करना होगा। अपराध बढ़ने के पीछे एक बड़ा कारण नैतिक मूल्यों का क्षरण भी है। उपभोक्तावाद, भौतिकता और त्वरित सफलता की अंधी दौड़ ने व्यक्ति को संवेदनहीन और स्वार्थी बना दिया है। आज सफलता का मापदंड केवल पैसा और शक्ति बन गया है। जब समाज में ईमानदारी, संयम, करुणा और नैतिकता की जगह छल, लालच और प्रतिस्पर्धा ले लेते हैं, तब अपराध स्वाभाविक रूप से बढ़ते हैं। परिवारों में संवाद कम हुआ है, संस्कार कमजोर हुए हैं और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना घटती जा रही है। सोशल मीडिया और मनोरंजन के अनेक माध्यमों ने भी हिंसा, अश्लीलता और त्वरित लाभ की मानसिकता को बढ़ावा दिया है। ऐसे में नई पीढ़ी का भटकना स्वाभाविक हो जाता है।

यह भी सच है कि कई बार अपराधियों में कानून का भय समाप्त होता जा रहा है। मुकदमों का वर्षों तक लंबित रहना, राजनीतिक संरक्षण, भ्रष्टाचार और कमजोर जांच व्यवस्था अपराधियों के मनोबल को बढ़ाते हैं। यदि अपराधी यह महसूस करने लगें कि वे आसानी से बच सकते हैं, तो अपराधों पर नियंत्रण कठिन हो जाता है। इसलिए न्याय व्यवस्था को तेज, पारदर्शी और प्रभावी बनाना समय की मांग है। अपराध के प्रति शून्य सहिष्णुता की नीति अपनानी होगी। कानून का भय तभी स्थापित होगा, जब अपराधी को शीघ्र और निष्पक्ष दंड मिलेगा। लेकिन केवल सरकार और पुलिस को दोष देकर समाज अपनी जिम्मेदारी से मुक्त नहीं हो सकता। अपराधमुक्त समाज का निर्माण सामूहिक चेतना और सामाजिक सहभागिता से ही संभव है। समाज सुधारकों, शिक्षकों, धार्मिक संस्थाओं, सामाजिक संगठनों और परिवारों को भी अपनी भूमिका निभानी होगी। बच्चों और युवाओं में नैतिक शिक्षा, संवेदनशीलता, सह-अस्तित्व और मानवीय मूल्यों का विकास करना होगा। समाज को ऐसी सकारात्मक दिशा देनी होगी, जहां व्यक्ति केवल अधिकारों की नहीं, बल्कि कर्तव्यों और सामाजिक उत्तरदायित्व की भी चिंता करे। आज आवश्यकता केवल अपराध रोकने की नहीं, बल्कि अपराध पैदा करने वाली परिस्थितियों को समाप्त करने की है। गरीबी, बेरोजगारी, नशाखोरी, अशिक्षा, सामाजिक असमानता, पारिवारिक विघटन और मानसिक तनाव जैसी स्थितियां अपराध की जमीन तैयार करती हैं। यदि इन कारणों पर गंभीरता से काम नहीं किया गया, तो अपराधों की संख्या घटाना कठिन होगा। इसलिए विकास की अवधारणा को केवल आर्थिक प्रगति तक सीमित नहीं रखा जा सकता। वास्तविक विकास वही है, जिसमें समाज सुरक्षित, संतुलित और मानवीय बने।

भारतीय दर्शनों में आत्मा का स्वरूप

संजय गोस्वामी

जीव अर्थात् जीता है, जीवत्व और आयुष्य कर्म का अनुभव करता है, इससे प्राणी का नाम जीव है-जाहा जीवेति, जीवत्तं, आउयं, च कम्मं उपजीवति तम्हा 'जीवे' त्ति वत्तत्वं सिया भगवती सूत्र में जीव के तेईस नाम बताये गए हैं1-1. जीव, 2. जीवास्तिकाय, 3. प्राण,4. भूत, 5. सत्व, 6. विज्ञ, 7. वेद, 8. चेता 9. जेता, 10. आत्मा,11. रंगण, 12. हिंडुक, 13. पुद्गल, 14. मानव, 15. कत्र्ता, 16. विकर्ता, 17. जगत, 18. जन्तु, 19. योनि, 20. स्वयंभूत, 21. सशरीरी, 22. नायक और 23. अन्तरात्मा।

जीव-जीने का अर्थ है-'प्राणों का धारण करना'। जीवत्व का अर्थ है-उपयोग, ज्ञान और दर्शन सहित होना। आयुष्य कर्म के अनुभव का अर्थ है-निश्चित जीवन अवधि का उपयोग। जितने भी संसारी जीव हैं, सब प्राण सहित हैं। ज्ञान और दर्शन जो जीव मात्र के स्वाभाविक गुण हैं। हर एक प्राणी की अपनी-अपनी आयुष्य होती है। इस तरह जीते रहने से प्राणी जीव कहलाता है। जीव अपने कमार्नुसार अनेक देह धारण करता है। परन्तु छोटे से छोटे और बड़े से बड़े शरीर में भी उसके असंख्यात प्रदेशीपन में कमी या अधिकता नहीं होती। चींटी और हाथी दोनों के जीव असंख्यात प्रदेशी हैं। आत्मा-चैतन्य लक्षण, चैतन्य स्वरूप या चैतन्य गुण पदार्थ का नाम आत्मा है। ऐसी आत्माएँ अनन्त है। उनकी सत्ता स्वतंत्र है। वे किसी दूसरी आत्मा या परमात्मा के अंश नहीं हैं। प्रत्येक आत्मा की चेतना अनन्त होती है, अनन्त प्रमेयों को जानने में सक्षम होती है। चैतन्य स्वरूप की दृष्टि से सब आत्माएँ समान होती हैं, किन्तु चेतना का विकास सबमें समान नहीं होता।चैतन्य विकास के तारतम्य का निमित्त कर्म है। प्राण-जीव श्वास निःश्वास करता है, इससे वह प्राणी है। आत्मा ही कत्र्ता है। कत्र्ता का अर्थ है-कर्मों का कत्र्ता-कत्त ति कत्र्ता कर्मणाम्। 'आत्मसिद्धि' नामक पुस्तक में कहा गया है-जड़ में चेतना नहीं होती, केवल जीव में ही चेतना होती है। बिना चेतन प्रेरणा के कर्म, कर्म का बंधन कैसे होगा? अतः जीव ही कर्म का बंधन करता है, क्योंकि चेतन प्रेरणा जीव के ही होती है। जब तक जीव कर्म बंधन करता है, तभी कर्म बंध होते हैं। कर्म करना जीव की इच्छा पर रहने से यह भी नहीं कहा जा सकता कि आत्मा सहज स्वभाव से ही कर्मों का कत्र्ता है। इससे यह सिद्ध हुआ कि कर्म करना जीव का आत्म-धर्म नहीं है, क्योंकि ऐसे होने से कर्म का बंधन उसकी इच्छा पर निर्भर नहीं करता, यह भी कहना ठीक नहीं है कि जीव असंग है और केवल कर्म प्रवृत्तियां ही कर्म-बंध करती हैं, ऐसा होता तो जीव का असली स्वरूप कभी का मालूम हो जाता। कर्म करने में ईश्वर की भी कोई प्रेरणा नहीं हो सकती, क्योंकि ईश्वर सम्पूर्ण शुद्ध स्वभाव का होता है। उसमें इस प्रेरणा का आरोपण करने से तो उसे ही सदोष ठहरा देना होगा। इससे यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि 'आत्मा ही कर्मों का बंधन करता है। जब जीव अपने चैतन्य स्वभाव में रमण करता है तो वह अपने शुद्ध स्वभाव का कत्र्ता होता है और जब विभाव भाव में रमण करता है तो कर्मों का कत्र्ता कहलाता है।' प्रागैतिहासिक काल की घटना है। जैन धर्म के आदि तीर्थंकर भगवान ऋषभ इसधरती पर थे। एक दिन उनके अट्ठानवे पुत्र मिलकर आये। उन्होंने भगवान से प्रार्थना की-'भरत ने हम सबके राज्य छीन लिये हैं। हम अपना राज्य पाने की इच्छा लिए आपकी शरण में आये हैं।' भगवान् ने कहा-'मैं तुम्हें वह राज्य तो नहीं दे सकता किन्तु ऐसा राज्य दे सकता हूँ, जिसे कोई छीन न सके।' पुत्रों ने पूछा-'वह राज्य क्या है?' भगवान् ने कहा-'वह राज्य है-आत्मा की उपलब्धि'। पुत्रों ने पूछा-वह कैसे हो सकती है तब भगवान ने कहा-

संबुज्झह किं न बुज्झह, सेवोहि खलु पेच्च दुल्लहा।
नो हू वणमंति राइयो, णो सुलभं पुणराति जीवियं।।

'संबोधि को प्राप्त करो। तुम संबोधि को प्राप्त क्यों नहीं कर रहे हो। बीती रात लौटकर नहीं आती। यह मनुष्य जीवन भी बार-बार सुलभ नहीं है।'

जैन धर्म के साथ सम्बोधि का प्रागैतिहासिक सम्बन्ध है। संबोधि क्या है? वह है आत्म-मुक्ति का मार्ग। सब मार्ग जो हमें आत्मा की सम्पूर्ण स्वाधीनता की ओर ले जाते हैं, एक शब्द में संबोधि कहलाते हैं। बोधि के तीन प्रकार हैं-ज्ञान बोधि, दर्शन बोधि, चारित्र बोधि। जैन दर्शन का यह अभिमत है कि हम कोरे ज्ञान से मुक्ति को नहीं पा सकते, कोरे दर्शन और चारित्र से भी उसे नहीं पा सकते।उसकी प्राप्ति तीनों के समवाय से अर्थात अविकल सम्बोधि से हो सकती है। जैन धर्म के मुख्य सिद्धान्त हैं- 1. आत्मा है।2. उसका पुनर्जन्म होता है।3. वह कर्मों की कत्र्ता है।4. वह कृत कर्म के फल का भोक्ता है।

वैश्विक संकट के दौर में दूरगामी सोच का परिणाम है प्रधानमंत्री की अपील

ऐसा नहीं है कि भारत विदेशी मुद्रा के मामलें में संकट में हो बल्कि वास्तविकता तो यह है कि 10 अप्रेल, 2026 के आंकड़ों की ही बात करें तो भारत का विदेशी मुद्रा भण्डार आज उच्चतम स्तर पर है। 700 बिलियन अमेरिकी डालर से अधिक का विदेशी मुद्रा भण्डार भारत के पास है। एक मोटे अनमुन के अनुसार आगामी 11 माह से अधिक समय तक आयात मांग की पूर्ति इस राशि से आसानी से हो सकती है। विदेशी मुद्रा भण्डार से एफसीए यानी कि विदेशी मुद्रा संपत्ति, स्वर्ण भण्डार और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष में आरक्षित राशि पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है। पर इसके सबके बावजूद भविष्य के संभावित संकट के हालातों से निपटने की आवश्यक तैयारियां समय रहते पूरी की जाती है तो यही दूरदृष्टि कहलाती है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को भविष्य के वैश्विक हालात साफ दिखाई दे रहे हैं। हालातों में सुधार की संभावना निकट भविष्य में दिखाई भी नहीं दे रही है। ऐसे में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने केवल एक वर्ष के लिए अनावश्यक खर्चों में कटौती का आग्रह देशवासियों से किया है। इसमें ईंधन बचाना, सोना नहीं खरीदने, विदेशी यात्राओं व विदेशों में शादी नहीं करने, खाने के तेल के उपयोग में 10 प्रतिशत तक की कटौती व खेती में रासायनिक उर्वरकों के उपयोग में 50 प्रतिशत तक की कटौती करने का सुझाव प्रमुख है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के देशवासियों से आग्रह को लेकर आलोचक भले ही मुद्दा बनाने का प्रयास करें पर वैश्विक हालात आज सबके सामने हैं। देशवासियों को मालूम है कि पेट्रोलियम उत्पादों इनमें कच्चे तेल से लेकर गैस आदि आदि शामिल है आदि के लिए आयात पर निर्भरता अधिक है। देश में 979 अरब अमेरिकी डॉलर का सालाना आयात होता है जिसमें से करीब 38 प्रतिशत आयात केवल और केवल पेट्रोलियम पदार्थों पर ही हो रहा है। सोना-चांदी और इलेक्ट्रोनिक्स के साथ ही फर्टिलाइजरों के मामलें में भी विदेशों पर निर्भरता अधिक है। करीब 10 प्रतिशत राशि सोने के आयात पर खर्च होती है। यदि समग्र रुप से देखा जाए तो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने तेलंगाना के सिकन्दराबाद से देशवासियों से जो आग्रह किया है वह ऐसा नहीं है जो किसी भी तरह से देशवासियों के लिए दुबिधाजनक हो।

वैश्विक संकट के चलते देश-दुनिया की इकोनोमी पर पड़ने वाले संभावित असर को देखते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की देशवासियों से दूरदृष्टियुक्त अपील से कोरोना काल की याद ताजा हो रही है तो पूर्व प्रधानमंत्री स्व. लालबहादुर शास्त्री की तत्कालीन अन्न संकट के दौरान सप्ताह में एक दिन के उपवास के आग्रह की और चला जाता है। अमेरिका-इजरायल और ईरान युद्ध सीजफायर के आसार अभी दिखाई नहीं दे रहे हैं तो दूसरी और दोनों ही देशों की हठधर्मिता के कारण हार्मुज जलडमरुमध्य से परिवहन बाधित होने का परिणाम दुनिया के देशों के सामने हैं। दुनिया के देशों को यह समझ लेना होगा कि अमेरिका-ईरान युद्ध केवल दो या तीन देशों के बीच युद्ध तक सीमित ना होकर इसके असर से आज कोई देश दूर दूर तक अछूता नहीं दिखाई दे रहा है। यह दो देशों की अहम् की लड़ाई ना होकर समूची मानवता को प्रभावित करने वाले हालात है। आज दुनिया के देशों की एक दूसरे पर निर्भरता बढ़ी है। बिना किसी अन्य देश के सहयोग के कोई भी देश अपने स्तर पर अपने देशवासियों की आवश्यकताओं को पूरा करने की स्थिति में नहीं है। आर्थिक उदारीकरण के बाद से आज विश्व विश्व ग्राम में परिवर्तित हो गया है। एक बात यह भी साफ हो जानी चाहिए कि आज अमेरिका-इजरायल और ईरान संकट का हल निकल भी आता है तब भी वैश्विक हालात सामान्य होने में लंबा समय लग जाएगा। युद्धरत देश यह समझने की कोशिश नहीं कर रहे कि उनके अहम् के चलते दुनिया आज सालों पीछे जा रही है। विकास बाधित हो रहा है, आर्थिक गतिविधियां प्रभावित हो रही है और हालात दिन प्रतिदिन बिगड़ते ही जा रहे हैं।

आज सबको मालूम है कि अमेरिका-ईरान युद्ध के चलते रास्ता अवरुद्ध होने के कारण कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस का आयात प्रभावित हो रहा है। हार्मुज का रास्ता अवरुद्ध है। हालात की गंभीरता को इसी से समझा जा सकता है कि ईरान को प्रतिदिन 2800 करोड़ रुपए के कच्चे तेल को समुद्र में बहाना पड़ रहा है। तेल उत्पादक अन्य देश भी संकट के दौर से गुजर रहे हैं। ऐसे में जीवाश्म ईंधन के उपयोग में कमी लाने, सार्वजनिक परिवहन वाहनों के उपयोग और वाहन पूलिंग का एक साल का सुझाव या आग्रह दूरदृष्टिपूर्ण व देशहित में ही माना जाना चाहिए। इसके साथ ही इलेक्ट्रिक वाहनों के उपयोग का बढ़ावा देना भविष्य के पर्यावरण संकट से बचाव और हरित उर्जा को बढ़ावा देने में ही सहायक हो सकेगा। इसी तरह से हमारे देश में सोने के खरीद के प्रति खास मोह रहता आया है पर हालातों को देखते हुए व्यापक राष्ट्रहित में एक साल के लिए सोना नहीं खरीदे तो इससे कोई फर्क नहीं पड़ने वाला है। इसी तरह से केवल शानों शोकत के लिए विदेशी यात्राएं करने से बचने की सलाह और विदेशों में शादी करने के स्थान पर स्थानीय पर्यटन और देश में ही एक से एक बेहतरीन वेडिंग डेस्टिनेशंस पर शादी करने से जहां खर्च कम होगा, देश के डेस्टिनेशनों की वैश्विक पहचान के साथ ही विदेशी पूंजी भी बचेगी। इसी तरह से रासायनिक उर्वरकों के अत्यधिक उपयोग से खेती और खेतों की उर्वरा शक्ति प्रभावित होने से आज देश दो चार हो रहा है। जैविक खाद और जैविक खेती को बढ़ावा देने पर जोर दिया जा रहा है। ऐसे में रासायनिक उर्वरकों के उपयोग को सीमित करने का आग्रह निश्चित रुप से सकारात्मक ही है। जहां तक मीटिंग्स का प्रश्न है कोविड़ के बाद से सरकारी और गैरसरकारी स्तर पर अधिकांष मीटिंग्स अब हाईब्रीड मोड पर ही होने लगी है। वर्कफ्राम होम को अवश्य प्रोत्साहित किया जा सकता है।

लब्बो-लबाब यह है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जो देशवासियों से आग्रह किया है उनमें से एक भी ऐसा आग्रह नहीं है जिससे हमारे दैनिक जीवन चर्या प्रभावित हो रही हो। एक भी ऐसा बिन्दु नहीं है जिससे आमजन प्रभावित हो रहा हो। सीधे सीधे एक साल के लिए अपनी आदत व आवश्यकताओं में जरुरी बदलाव के लिए कहा जा रहा है ताकि वैश्विक संकट का असर देश की अर्थव्यवस्था व देश के आमलोगों को प्रभावित ही ना कर सकें। एक साल सोना नहीं खरीदने या ईवी वाहन या सार्वजनिक वाहन का उपयोग या विदेशों में शादी आदि कार्यक्रम आयोजित ना करने या विदेश घूमने नहीं जाने से कोई खास फर्क नहीं पड़ने वाला हैं। इसलिए इन सबसे बचने से देश वैश्विक हालातों का अधिक कुशलता से मुकाबला कर सकेगा और सबसे बड़ी बात की स्वदेशी को बढ़ावा मिलेगा। इसलिए आलोचना प्रत्यालोचना से ऊपर उठना होगा। यह देश नेता की एक आवाज पर आगे आना वाला देश है कोविड का समय और स्व. लालबहादुर शास्त्री के एक दिन के उपवास का आग्रह इसके प्रत्यक्ष उदाहरण है।

ग्राम भदौरा में पेय जल आपूर्ति ठप, ग्रामीणों ने किया प्रदर्शन

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के तहसील हसनपुर क्षेत्र के ग्राम भदौरा में एक माह से ठप पड़ी पेय जल आपूर्ति से आक्रोशित ग्राम वासियों ने प्रदर्शन किया। ग्राम भदौरा में जल जीवन मिशन योजना के अंतर्गत जल आपूर्ति की जा रही थी, जिससे ग्रामवासियों को पेय जल आपूर्ति का लाभ मिल रहा था। ग्रामीणों का आरोप है कि पिछले एक माह से जल आपूर्ति तकनीकी खराबी के कारण ठप पड़ी हुई है, जिससे गरीब लोगों को दूसरे लोगों के घरों से पानी मांगकर लाना पड़ रहा है। पशुओं के लिए भी दूर दराज से पानी ढोने के लिए विवश हैं। ग्रामीणों ने कई बार जिम्मेदारों से इस समस्या की शिकायत की है, लेकिन कोई समाधान नहीं निकला। प्रदर्शनकारियों ने एक स्वर से अतिशीघ्र तकनीकी खराबी दूर करके जल आपूर्ति सुचारु करने की मांग की। इस अवसर पर राष्ट्र सेवी संगठन संयोजक कृष्ण कुमार शर्मा, अजहरुद्दीन सैफी, लाखन सिंह, होशियार अली, लोचन सिंह, आशिफ अली, देवराज सिंह, जुल्फी, हुसियार, उबेश, आनंद, बाखीर, जफरु, गुलफान अली आदि मौजूद रहे।

मुरादाबाद मंडल में गोवंश संरक्षण की बड़ी छलांग: 218 गो आश्रय स्थलों में 65,113 बेसहारा पशुओं को मिला सहारा

सहभागिता योजना में मंडल ने रचा इतिहास, 4125 के लक्ष्य के सापेक्ष 7703 (186.76%) गोवंशों की हुई सुपुर्दगी

मंडल में अब केवल 684 निराश्रित गोवंश बाकी, गोशालाओं को आत्मनिर्भर बनाने की पहल तेज, रामपुर ने गोबर से कमाए 6.17 लाख रुपये

मुरादाबाद (सब का सपना):- मंडल में बेसहारा और निराश्रित गोवंशों के संरक्षण की दिशा में तेजी से काम हो रहा है। मंगलवार को आयुक्त आंजनेय कुमार सिंह की अध्यक्षता में आयोजित गो आश्रय स्थलों की समीक्षा बैठक के आंकड़ों ने मंडल की एक बेहद सकारात्मक और मजबूत तस्वीर पेश की है। वर्तमान में मण्डल के 218 गो आश्रय स्थलों में कुल 65,113 गोवंशों को सुरक्षित आश्रय प्रदान किया जा चुका है। मुख्यमंत्री निराश्रित गोवंश सहभागिता योजना के तहत मण्डल ने अभूतपूर्व सफलता दर्ज करते हुए निर्धारित लक्ष्य 4125 के मुकाबले 7703 गोवंशों को पशुपालकों की सुपुर्दगी में देकर 186.76 प्रतिशत का आंकड़ा छू लिया है। इसके साथ ही, गोशालाओं को आत्मनिर्भर बनाने, हरे चारे की आपूर्ति सुनिश्चित करने और गर्मियों में गोवंशों के बचाव के लिए भी जमीनी स्तर पर व्यापक इंतजाम किए गए हैं।

संभल में सबसे अधिक गोवंश, सड़कों पर बचे चंद पशु

आंकड़ों के अनुसार, मंडल में संभल जिला गोवंश संरक्षण में सबसे आगे है, जहां सर्वाधिक 27,768 गोवंश संरक्षित किए गए हैं। इसके बाद बिजनौर में 14,658, मुरादाबाद में 10,781, अमरोहा में 8,647 और रामपुर में 3,259 गोवंशों को आश्रय मिला है। प्रशासन की मुस्तैदी का ही नतीजा है कि मण्डल के शहरी और ग्रामीण इलाकों को मिलाकर अब केवल 684 निराश्रित गोवंश ही ऐसे बचे हैं, जिन्हें आश्रय स्थलों तक पहुंचाना बाकी है। इनमें ग्रामीण क्षेत्रों के 471 और शहरी क्षेत्रों के 213 गोवंश शामिल हैं, जिन्हें जल्द ही संरक्षित करने की योजना है।

चारे का पुख्ता इंतजाम, नेपियर घास से हरियाली

गोवंशों के भरण-पोषण के लिए भूसा संग्रहण और हरा चारा उगाने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। मंडल में कुल 5,36,396.2 कुंतल भूसा संग्रहण के लक्ष्य के सापेक्ष अब तक 4,24,478 कुंतल (79.14 प्रतिशत) भूसे की व्यवस्था की जा चुकी है। इसमें अमरोहा जनपद ने अपने लक्ष्य का 100.31 प्रतिशत और मुरादाबाद ने 94.64 प्रतिशत हासिल कर लिया है। हरे चारे की निर्बाध आपूर्ति के लिए 372.62 हेक्टेयर गोचर भूमि पर चारा उत्पादन किया जा रहा है। इसके अलावा विशेष अभियान चलाकर बाबूगढ़ प्रक्षेत्र, हापुड़ से नेपियर रूट और स्लिप मंगाकर लाभार्थियों को बांटी गई हैं। इसके तहत कुल 6,10,000 रूट का वितरण कर 16 हेक्टेयर क्षेत्रफल को आच्छादित किया गया है।

गोशालाएं बन रहीं आत्मनिर्भर, गोबर से हो रही बंपर कमाई

गो आश्रय स्थलों को केवल सरकारी अनुदान पर निर्भर रखने के बजाय उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में ठोस कदम उठाए गए हैं। मुरादाबाद, अमरोहा और रामपुर के कान्हा और वृहद गो संरक्षण केंद्रों में सीबीजी (गोबर गैस प्लांट) सफलतापूर्वक काम कर रहे हैं। रामपुर के गो आश्रय स्थल किरा में तो गोबर गैस प्लांट से 15 केवी का जनरेटर भी चलाया जा रहा है। गो उत्पाद और गोबर की बिक्री से मंडल में अच्छी आय हो रही है। रामपुर ने गोबर प्रबंधन से सर्वाधिक 6,17,636 रुपये, अमरोहा ने 5,40,600 रुपये और मुरादाबाद ने 82,829 रुपये की आय प्राप्त की है। इसके अलावा मुरादाबाद, बिजनौर और सम्भल में गोबर से लकड़ी (गोकास्ट), मूर्तियां, दीये और धूपबत्ती तैयार की जा रही है।

गर्मी से बचाव और सुरक्षा पर खास जोर

आगामी हीट स्ट्रोक और भीषण गर्मी को देखते हुए गोशालाओं में पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। सभी जनपदों के गो आश्रय स्थलों में दरवाजे और खिड़कियों को टाट व बोरों से ढक दिया गया है, जिन पर नियमित रूप से पानी का छिड़काव किया जा रहा है ताकि तापमान नियंत्रित रहे। संरक्षित गोवंशों के लिए छाया और ताजे पानी की पूरी व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। सुरक्षा और निगरानी के लिहाज से भी मण्डल काफी सतर्क है; कुल 216 गो आश्रय स्थलों में से 210 को सीसीटीवी कैमरों से लैस कर दिया गया है, ताकि गोवंशों की हर गतिविधि पर नजर रखी जा सके।

जिला संयुक्त चिकित्सालय में अन्तर्राष्ट्रीय नर्सिंग दिवस का किया गया आयोजन

अमरोहा (सब का सपना):- जिला संयुक्त चिकित्सालय में अन्तर्राष्ट्रीय नर्सिंग दिवस का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में जिला संयुक्त चिकित्सालय, अमरोहा के सभी महिला एवं पुरूष नर्सिंग स्टाफ द्वारा प्रतिभाग किया गया। नर्सिंग दिवस नर्सिंग की जननी फ्लोरेंस नाइटेंगल के जन्मदिन के अवसर पर मनाया जाता है। इस कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, डॉ० अश्वनी कुमार भण्डारी, चिकित्सा अधीक्षक, डॉ0 चरन सिंह, डॉ0 शशांक बस्सी एवं मैट्रन, गीता राजपूत द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। इस अवसर पर मैट्रन, गीता राजपूत, एवं नर्सिंग ऑफिसर शिवानी ढिल्लों द्वारा सभी नर्सिंग स्टाफ को " नर्सिंग शपथ" दिलाई कि वह सभी अपना काम पूर्ण निष्ठा से करेंगी तथा मरीजों की गोपनीयता भी बनाये रखेगीं । समस्त नर्सिंग स्टाफ एवं अधिकारियों को फ्लोरेंस नाईटेंगल के चित्र के सामने मोमबत्ती जलाकर एवं पुष्प अर्पण कर शपथ ली। इसके उपरान्त केक काटा गया तथा समस्त नर्सिंग स्टाफ को सम्मानित किया गया । इस अवसर पर बोलते हुए मुख्य चिकित्सा अधीक्षक द्वारा बताया गया कि नर्सिंग ऑफिसर हमारे विभाग की रीढ़ की हडडी हैं। उनके सहयोग के बिना किसी भी मरीज का पूर्ण इलाज संभव नही है। उन्होंने सभी स्टाफ से मिलकर टीम की भांति निष्ठा से कार्य करने के लिये कहा। इस अवसर पर मैट्रन, गीता राजपूत ने सभी नर्सिंग ऑफिसर की ओर से आश्वस्त किया है कि सभी लोग मेहनत एवं निष्ठा से अपना कार्य करेंगें । इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, डॉ० ए०के० भण्डारी, चिकित्सा अधीक्षक, डॉ0 चरन सिंह, डॉ0 शशांक बस्सी, याकूब अली, मैट्रन, गीता राजपूत तथा चिकित्सालय की सभी नर्सिंग ऑफिसर मौजूद रहीं । इस कार्यक्रम का संचालन नर्सिंग ऑफिसर कनिष्का अरोरा एवं शिवानी ढिल्लों द्वारा किया गया ।

डीएम की अध्यक्षता में आकांक्षात्मक विकास खण्डों की प्रगति की समीक्षा बैठक आयोजित

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- कलक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी अंकित खण्डेलवाल की अध्यक्षता में नीति आयोग के अंतर्गत चयनित आकांक्षात्मक विकास खण्डों की प्रगति की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जनपद के आकांक्षात्मक विकास खण्ड असमोली एवं गुन्नौर में संचालित विभिन्न योजनाओं एवं निर्धारित सूचकांकों पर विभागवार समीक्षा की गई। बैठक के दौरान डीपीएमयू प्रभारी श्यामा कुमार द्वारा जिलाधिकारी को अवगत कराया गया कि नीति आयोग के अंतर्गत जनपद के दो विकास खण्ड असमोली एवं गुन्नौर शामिल हैं। इन विकास खण्डों में स्वास्थ्य, कृषि, बेसिक एवं माध्यमिक शिक्षा, आईसीडीएस सहित 11 विभागों के 38 विभिन्न पैरामीटर्स के आधार पर मूल्यांकन एवं रैंकिंग की जाती है। जिलाधिकारी ने सभी संबंधित विभागों द्वारा किए जा रहे कार्यों की विस्तृत जानकारी प्राप्त करते हुए अधिकारियों को निर्देशित किया कि निर्धारित सूचकांकों में सुधार हेतु लक्ष्य आधारित एवं प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। उन्होंने आगामी बैठकों में राष्ट्रीय रैंकिंग से संबंधित डेटा के साथ समीक्षा पुस्तिका उपलब्ध कराने के भी निर्देश दिए, ताकि प्रगति का बेहतर मूल्यांकन किया जा सके। बैठक में पीएम एक्सीलेंस अवार्ड से संबंधित बिंदुओं पर भी चर्चा की गई, जिस पर जिलाधिकारी द्वारा आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए। इसके अतिरिक्त आकांक्षात्मक विकास खण्डों की रैंकिंग प्रणाली एवं मार्किंग फामूर्ला की जानकारी प्राप्त करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। समीक्षा के दौरान स्वास्थ्य विभाग के अंतर्गत संस्थागत प्रसव, एएनसी एवं एनक्यूएएस, आईसीडीएस विभाग के अंतर्गत सैम एवं मैम बच्चों की स्थिति तथा कृषि विभाग के अंतर्गत एफपीओ से संबंधित प्रगति की विस्तारपूर्वक समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने सभी विभागों को आपसी समन्वय स्थापित कर योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. तरुण पाठक, जिला विकास अधिकारी राम आशीष, कृषि उपनिदेशक अरुण कुमार त्रिपाठी, डीपीओ आईसीडीएस महेश कुमार, आईटीआई प्रधानाचार्य स्तुति गुप्ता सहित संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

ऑपरेशन किरण के तहत अमरोहा पुलिस ने 7 परिवारों को बिखरने से बचाया

अमरोहा (सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक अमरोहा लखन सिंह यादव के निर्देशन में ऑपरेशन किरण के तहत अमरोहा पुलिस ने 7 परिवारों का सुलह-समझौता कराते हुए परिवार को बिखरने से बचाया।पुलिस ने बताया कि थाना हसनपुर पुलिस द्वारा 1, महिला थाना अमरोहा द्वारा 2, थाना अमरोहा देहात पुलिस द्वारा 2, थाना रजबपुर द्वारा 1 तथा थाना सैदनगली द्वारा 1 पारिवारिक विवाद में कुल 7 परिवारों का सुलह-समझौता कराया गया। मिली जानकारी के अनुसार ऑपरेशन किरण अभियान के तहत अमरोहा पुलिस द्वारा पारिवारिक विवादों का निपटारा किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि काउंसलिंग के दौरान अमरोहा पुलिस द्वारा 7 जोडों का सुलह समझौता कराया गया और दोनों पक्षों को कुशल, राजी खुशी, प्रेमपूर्वक नवजीवन उनके घर रवाना किया गया।

गजरौला स्थित होटल में TVS के सौजन्य से कार्यक्रम का आयोजन,संतुष्ट ग्राहकों को किया सम्मानित

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के गजरौला नगर स्थित एक होटल में टीवीएस मोटर्स के सौजन्य से एक कार्यक्रम का आयोजन कराया गया जिसमें एपी टीवीएस ऑटोमोबाइल्स गजरौला से खरीदारी करने वाले ग्राहकों को उपहार देकर सम्मानित किया गया। बता दें कि मंगलवार को नगर के एक होटल में आयोजित कार्यक्रम में कंपनी के टीएम हर्ष यादव ने टीवीएस के राइडर बाइक की खूबियां गिनाईं उन्होंने बताया कि टीवीएस कंपनी पर हमारे ग्राहकों का 115 साल पुराना भरोसा है जिसे हम कभी टूटने नहीं देंगे ,हमारी कंपनी बदलते दौर के साथ-साथ ग्राहकों के लिए भी अपने प्रोजेक्ट में बदलाव करती रहेगी। उन्होंने कहा कि वर्तमान में हमारी कंपनी की टीवीएस राइडर बाइक 125 ग्राहकों के बीच सबसे ज्यादा लोकप्रिय हो रही है।उन्होंने तथा उनकी टीम ने बाइक खरीदने वाले ग्राहकों को उपहार देकर सम्मानित भी किया,साथ ही शोरूम में काम करने वाले मैकेनिकों एवं स्टाफ को भी उपहार देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर एपी टीवीएस के स्वामी अंकित बंसल व विशाल गोयल सहित शोरूम मैनेजर दीपक नारायण,सेल्स मैनेजर कांति प्रकाश दिवाकर ,सनी वर्मा ,रितिक शर्मा, सौरभ अग्रवाल ,गौरव अग्रवाल, सहित समस्त स्टाफ एवं ग्राहक लोग मौजूद रहे।

जुबिलैंट फैक्ट्री क्वार्टर में हुई चोरी का पुलिस ने किया खुलासा

मध्य प्रदेश से अंतरराज्यीय चोर गिरोह का सदस्य गिरफ्तार, 24 लाख के जेवरात बरामद

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):-पुलिस अधीक्षक अमरोहा लखन सिंह यादव के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक अखिलेश भदौरिया के पर्यवेक्षण एवं क्षेत्राधिकारी धनौरा अंजली कटारिया के नेतृत्व में थाना गजरौला, एसओजी एवं सर्विलांस टीम ने जुबिलैंट फैक्ट्री स्थित फैमिली क्वार्टर में हुई चोरी की घटना का सफल खुलासा किया है। पुलिस ने अंतरराज्यीय चोर गिरोह के एक सदस्य सुरेश पुत्र भीकू को मध्य प्रदेश से गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चोरी किए गए सोने-चांदी के शत-प्रतिशत आभूषण बरामद किए हैं, जिनकी अनुमानित कीमत करीब 24 लाख रुपये बताई जा रही है। बताया गया कि 27 अप्रैल को पीड़ित देश दीपक मिश्रा निवासी ऑफिसर कॉलोनी, थाना गजरौला ने फैक्ट्री के फैमिली क्वार्टर से सोने-चांदी के आभूषण और 11 हजार रुपये नकद चोरी होने की तहरीर दी थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर कई टीमों का गठन किया गया। जांच एवं सर्विलांस के दौरान घटना के तार मध्य प्रदेश से जुड़ने पर पुलिस टीम वहां रवाना हुई और सटीक सूचना के आधार पर अभियुक्त सुरेश को गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह अपने साथियों पूनम और अम्बु उर्फ अम्बाराम के साथ मिलकर विभिन्न राज्यों में फैक्ट्रियों की आवासीय कॉलोनियों को निशाना बनाता था। अभियुक्तों द्वारा इंटरनेट के माध्यम से बड़ी औद्योगिक इकाइयों की जानकारी जुटाई जाती थी और सप्ताहांत में बंद पड़े क्वार्टरों की रेकी कर चोरी की घटनाओं को अंजाम दिया जाता था।

आरोपी ने बताया कि गिरोह केवल नकदी और सोने-चांदी के आभूषण चोरी करता था तथा पुलिस सर्विलांस से बचने के लिए मोबाइल फोन का कम इस्तेमाल करता था। पुलिस के अनुसार 25-26 अप्रैल की रात आरोपियों ने जुबिलैंट फैक्ट्री की आवासीय कॉलोनी में चोरी की घटना को अंजाम दिया था।

चोरी की नकदी अन्य साथी अपने पास रख लेते थे, जबकि जेवरात बेचने के लिए सुरेश को दिए गए थे। पुलिस अब गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश और इनके आपराधिक इतिहास की जांच में जुटी हुई है। सफल गिरफ्तारी एवं बरामदगी करने वाली पुलिस टीम को पुलिस अधीक्षक द्वारा 25 हजार रुपये के पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

मंडी धनौरा में बाइक को बचाने के प्रयास में ऑटो पलटा,एक महिला की मौत तीन अन्य घायल

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के मंडी धनौरा क्षेत्र में बाइक को बचाने के प्रयास में एक ऑटो पलट गया। इस हादसे में एक महिला की मौत हो गई जबकि तीन अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। बताया जा रहा है कि यह हादसा शेरपुर रोड पर अमर सिंह डिग्री कॉलेज के निकट हुआ।

बता दें कि मंगलवार को मंडी धनौरा क्षेत्र में एक बाइक को बचाने के प्रयास में एक ऑटो पलट गया। जिसमें ऑटो में बैठी एक 22 वर्षीय महिला कमलेश निवासी गांव नवाबपुरा की मौके पर ही मौत हो गई। बताया जा रहा है कि मृतक महिला अपने जेठ की शादी के लिए धनौरा से खरीदारी करने के लिए आई थी जो नगर में लगने वाले साप्ताहिक बाजार से सामान लेकर लौट रही थी। प्रत्यक्ष दर्शियों के मुताबिक ऑटो जैसे ही शेरपुर रोड स्थित अमर सिंह डिग्री कॉलेज के पास पहुंचा तो सामने से आ रहे एक बाइक सवार को बचाने के लिए चालक ने अचानक कट मार दिया जिस ऑटो अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गया ।हादसे के बाद मौके पर चीख पुकार मच गई। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस तुरंत घटनास्थल पर पहुंची और ग्रामीणों की मदद से घायलों को ऑटो से बाहर निकाला ,दुर्घटना में कमलेश की मौके पर ही मौत हो गई। ऑटो में सवार नवाबपुरा निवासी मुनेश पत्नी संजीव कुमार और सावित्री पत्नी छोटे गंभीर रूप से घायल हो गए। इसके अलावा इस हादसे में दो-तीन अन्य लोगों को भी छोटे आई हैं। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र धनौरा के डॉक्टर मंदीप कुमार ने बताया कि घायलों को प्राथमिक जांच के बाद उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर उपचार के लिए जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया है ।इस घटना से नवाबपुरा गांव और कमलेश की मौत से परिवार में शोक का माहौल है

नवनियुक्त जिलाधिकारी से ग्राम विकास अधिकारी व पंचायत सचिवों ने की मुलाकात

शिष्टाचार भेंट कर दी शुभकामनाएं, जनपद के विकास कार्यों में सहयोग का जताया भरोसा

बहजोई/संभल (सब का सपना):- जनपद के नवनियुक्त जिलाधिकारी के कार्यभार ग्रहण करने के बाद विकास कार्यों को नई गति देने की दिशा में प्रशासनिक और विभागीय मुलाकातों का सिलसिला लगातार जारी है। इसी क्रम में मंगलवार को ग्राम विकास अधिकारी संघ एवं ग्राम पंचायत अधिकारियों के प्रतिनिधिमंडल ने जिला मुख्यालय बहजोई पहुंचकर नवागत जिलाधिकारी से शिष्टाचार भेंट की।

प्रतिनिधिमंडल ने जिलाधिकारी को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका आत्मीय स्वागत किया तथा सफल, पारदर्शी और जनहितकारी कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं दीं। इस दौरान ग्रामीण विकास से जुड़े विभिन्न विषयों पर भी सकारात्मक चर्चा हुई।

प्रतिनिधियों ने विश्वास जताया कि जिलाधिकारी के नेतृत्व में जनपद में विकास कार्यों को नई दिशा मिलेगी और शासन की योजनाओं का लाभ गांव-गांव तक प्रभावी ढंग से पहुंचेगा। इस अवसर पर मोहम्मद असलम, गौरव, अरुण यादव, रंजीत,कपिल कुमार, सतपाल, कुणाल चौधरी सहित कई ग्राम पंचायत सचिव एवं अधिकारी मौजूद रहे।

कानून व्यवस्था मजबूत करने को जनपद में चार नई पुलिस चौकियों का उद्घाटन

कुढफतेहगढ़/सम्भल (सब का सपना):- जनपद में कानून एवं शांति व्यवस्था को और अधिक प्रभावी एवं सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से सोमवार को थाना कुढफतेहगढ़ क्षेत्र में चार नवीन पुलिस चौकियों का लोकार्पण किया गया। जिलाधिकारी अंकित खंडेलवाल एवं पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार ने संयुक्त रूप से चौकी रीठ, चौकी छावड़ा, चौकी रहौली एवं चौकी रतनपुर का उद्घाटन किया। अधिकारियों ने कहा कि नई पुलिस चौकियों के शुरू होने से क्षेत्र में पुलिस व्यवस्था और अधिक मजबूत होगी तथा अपराध नियंत्रण एवं आमजन की सुरक्षा व्यवस्था में तेजी आएगी। साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में पुलिस की त्वरित पहुंच सुनिश्चित होने से लोगों में सुरक्षा की भावना भी बढ़ेगी। उद्घाटन कार्यक्रम के दौरान अपर पुलिस अधीक्षक (उत्तरी) कुलदीप सिंह, क्षेत्राधिकारी चन्दौसी दीपक कुमार, प्रभारी निरीक्षक थाना कुढफतेहगढ़ जितेन्द्र कुमार सहित अन्य पुलिस अधिकारी, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान अधिकारियों ने उपस्थित लोगों से कानून व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस का सहयोग करने की अपील भी की।

शंकर भूषण शरण इंटर कॉलेज में छात्र छात्राओं को यातायात नियमों के प्रति किया गया जागरूक

स्कूली बच्चों को सड़क सुरक्षा, ट्रैफिक सिग्नल और राह-वीर योजना की दी गई जानकारी

संभल (सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक के कुशल निर्देशन एवं यातायात प्रभारी के नेतृत्व में मंगलवार को कस्बा संभल स्थित शंकर भूषण शरण इंटर कॉलेज में स्कूली बच्चों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया गया जिससे कि सड़क दुर्घटनाओं में कमी आ सके। यातायात जागरूकता कार्यक्रम में प्रभारी यातायात जगरोशन सिंह, मुख्य आरक्षी सचिन कुमार तथा आरक्षी बीनू ने भाग लिया। अभियान के दौरान विद्यार्थियों को सड़क संकेतों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई तथा चौराहों पर लगी लाल, पीली और हरी बत्ती के महत्व को समझाया गया। पुलिसकर्मियों ने बच्चों को बताया कि वाहन चलाते समय ही नहीं, बल्कि पैदल चलते समय भी यातायात नियमों का पालन करना बेहद जरूरी है। हेलमेट, सीट बेल्ट और सड़क पार करने के सही तरीकों की जानकारी भी दी गई। मुख्य आरक्षी सचिन कुमार ने भारत सरकार द्वारा संचालित राह-वीर (नेक व्यक्ति) योजना के बारे में विस्तार से बताते हुए कहा कि यदि कोई व्यक्ति सड़क दुर्घटना में घायल गंभीर व्यक्ति को गोल्डन आवर के भीतर अस्पताल पहुंचाकर उसकी जान बचाने में मदद करता है, तो उसे सरकार की ओर से 25 हजार रुपये की इनामी राशि एवं प्रशंसा पत्र प्रदान किया जाता है।

कार्यक्रम के अंत में बच्चों को सड़क सुरक्षा के प्रति सजग रहने की शपथ दिलाई गई। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि बच्चे देश का भविष्य हैं और सुरक्षित जीवन ही सफलता की पहली सीढ़ी है।

विकसित भारत युवा संसद में संभल की बेटी उन्नति चौधरी का शानदार प्रदर्शन

उत्तर प्रदेश विधानसभा में प्रभावशाली भाषण से बटोरीं तालियां, जिले का बढ़ाया मान

चंदौसी/संभल (सब का सपना):- भारत सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय द्वारा माई भारत के बैनर तले उत्तर प्रदेश विधानसभा, लखनऊ में विकसित भारत युवा संसद 2026 का भव्य आयोजन किया गया। राष्ट्रीय सेवा योजना एवं नेहरू युवा केंद्र के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम में केंद्रीय बजट 2026 विकसित भारत 2047 की ओर भारतीय युवाओं के मार्ग को सुदृढ़ बनाना विषय पर भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें प्रदेशभर से चयनित 300 युवाओं ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम का उद्घाटन उत्तर प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने किया।

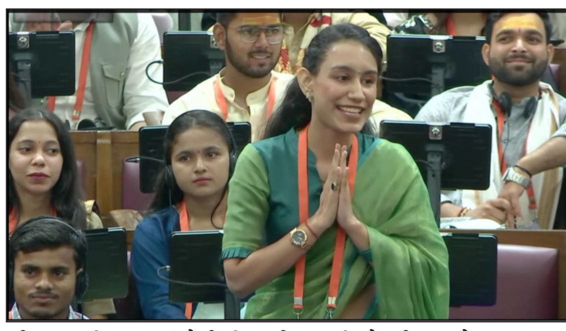

इस प्रतिष्ठित आयोजन में चंदौसी नगर की मयूर विहार कॉलोनी निवासी उन्नति चौधरी पुत्री हुकुम सिंह ने जनपद संभल का प्रतिनिधित्व करते हुए अपने जिले का नाम रोशन किया। उन्नति ने विधानसभा में जूरी मेंबर्स, स्पीकर एवं अन्य सदस्यों के समक्ष अपने विचार इतने प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किए कि पूरा सदन तालियों की गूंज से गूंज उठा।

संभल की नोडल अधिकारी डॉ० रीता सिंह तथा नेहरू युवा केंद्र मुरादाबाद मंडल के डिप्टी डायरेक्टर अंकित कुमार ने उन्नति चौधरी की उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि उन्नति मिशन शक्ति का सशक्त उदाहरण हैं। उन्होंने साबित कर दिया कि बेटियां आज हर क्षेत्र में सफलता का परचम लहरा रही हैं।

उन्नति चौधरी ने अपनी सफलता का श्रेय अपनी मां नूतन चौधरी को देते हुए कहा कि उनकी मां ने हमेशा कठिनाइयों से सीख लेकर आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा, आज मैं जो भी हूं, वह मां की प्रेरणा और समर्थन की वजह से हूं।

वहीं उन्नति के दादा शिव सिंह एवं भाई हृदय चौधरी ने कहा कि यह उपलब्धि पूरे परिवार और जनपद के लिए गर्व की बात है। उन्नति ने मेहनत और लगन के दम पर यह साबित कर दिया कि लक्ष्य पाने के लिए आत्मविश्वास और निरंतर प्रयास सबसे बड़ी ताकत हैं।

राजकीय आईटीआई में विजेता प्रतिभागियों को बांटे गए पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र

चन्दौसी/संभल (सब का सपना):- राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) चन्दौसी में मंगलवार को प्रशिक्षण सत्र 2025-26 के अंतर्गत आयोजित सांस्कृतिक, साहित्यिक एवं खेलकूद प्रतियोगिताओं के विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार एवं प्रमाण-पत्र वितरित किए गए। संस्थान के ऑडिटोरियम में आयोजित समारोह में नगर पालिका परिषद चन्दौसी की अध्यक्षा लता वार्ष्णेय एवं समाजसेवी अखिलेश खिलाड़ी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि लता वार्ष्णेय ने कहा कि खेल और सांस्कृतिक गतिविधियां विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। वहीं अखिलेश खिलाड़ी ने विद्यार्थियों को मेहनत और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम में रंगोली, निबंध, भाषण, जॉब मेकिंग, एथलेटिक्स, खो-खो, रस्साकशी और वॉलीबॉल सहित विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। रंगोली प्रतियोगिता में पूजा, यशिका, मोनी सिंह, शिवानी कश्यप सहित टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि हमारा संविधान विषयक भाषण प्रतियोगिता में सुभाष कुमार प्रथम रहे। खेल प्रतियोगिताओं में प्रशिक्षार्थियों ने शानदार प्रदर्शन किया। 100 मीटर दौड़, लॉन्ग जंप, शॉटपुट, खो-खो, रस्साकशी और वॉलीबॉल प्रतियोगिताओं में विजेता खिलाड़ियों एवं टीमों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन कीर्तिपाल शर्मा ने किया। समारोह के अंत में प्रधानाचार्य डॉ. नरेन्द्र सिंह पाल ने सभी अतिथियों, कर्मचारियों एवं प्रशिक्षार्थियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसी प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों में अनुशासन, नेतृत्व क्षमता और आत्मविश्वास का विकास करती हैं। कार्यक्रम उत्साह और सौहार्दपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुआ।

आशा व आशा संगिनी कर्मचारी संगठन ने समस्याओं को लेकर सौंपा ज्ञापन

असमोली/संभल (सब का सपना):- आशा एवं आशा संगिनी कर्मचारी संगठन जनपद संभल के बैनर तले मंगलवार को सीएचसी असमोली में आशा कार्यकताओं और आशा संगिनियों ने अपनी विभिन्न समस्याओं को लेकर ज्ञापन सौंपा। संगठन की ओर से यह ज्ञापन जिलाधिकारी संभल एवं मुख्य चिकित्साधिकारी को संबोधित करते हुए चिकित्सा अधीक्षक सीएचसी असमोली के माध्यम से दिया गया।

संगठन की जिलाध्यक्ष नीतू सिंह के नेतृत्व में दिए गए ज्ञापन में कहा गया कि आशा एवं आशा संगिनियों को मिलने वाली प्रोत्साहन धनराशि और विभिन्न मदों का भुगतान लंबे समय से लंबित है, जिससे कर्मचारियों को आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

ज्ञापन में मांग की गई कि मार्च 2025 में कमेटिड की गई प्रोत्साहन राशि का तत्काल भुगतान कराया जाए। साथ ही मार्च 2026 तक की समस्त लंबित धनराशि भी शीघ्र दिलाई जाए। संगठन ने यह भी बताया कि आशा कार्यकताओं को प्रतिमाह मिलने वाली 1000 रुपये की धनराशि का भुगतान मई 2025 से मई 2026 तक नहीं हुआ है। इसके अलावा कई अन्य मदों के भुगतान भी एक वर्ष से लंबित बताए गए हैं। कर्मचारियों ने मांग की कि भुगतान प्रक्रिया को पारदर्शी बनाया जाए और यह स्पष्ट किया जाए कि किस मद में कितना भुगतान भेजा गया है। संगठन ने चेतावनी दी कि यदि समस्याओं का संतोषजनक समाधान नहीं हुआ तो धरना-प्रदर्शन को अनिश्चितकाल के लिए बढ़ाया जा सकता है। ज्ञापन देने वालों में नीतू सिंह जिलाध्यक्ष, कविता चौधरी जिला उपाध्यक्ष, कुसुम शर्मा जिला मंत्री, पूनम शर्मा जिला महामंत्री, सीमा रानी कोषाध्यक्ष सहित बड़ी संख्या में आशा एवं आशा संगिनी कर्मचारी मौजूद रहीं।

यातायात पुलिस द्वारा चंदौसी में चलाया गया जाममुक्त अभियान

ई-रिक्शा संचालन किया नियंत्रित, वन-वे व्यवस्था और अतिक्रमण हटाकर लोगों को किया जागरूक

चन्दौसी/संभल (सब का सपना):- मंगलवार को पुलिस अधीक्षक जनपद संभल कृष्ण कुमार के कुशल निर्देशन एवं क्षेत्राधिकारी चन्दौसी दीपक कुमार के नेतृत्व में यातायात पुलिस टीम द्वारा कस्बा चन्दौसी में जाममुक्त अभियान चलाया गया।

अभियान के दौरान मुख्य बाजारों एवं प्रमुख मार्गों पर ई-रिक्शा संचालन को नियंत्रित करते हुए वन-वे व्यवस्था लागू कराई गई। साथ ही ई-रिक्शा प्रतिबंधित क्षेत्रों में सख्ती से कार्रवाई करते हुए रास्तों पर किए गए अतिक्रमण को हटवाया गया।

यातायात पुलिस ने वाहन चालकों, व्यापारियों एवं आमजन को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करते हुए नियमों का पालन करने की अपील की।

अधिकारियों ने कहा कि बाजारों में सुचारु यातायात व्यवस्था बनाए रखने और जाम की समस्या से निजात दिलाने के लिए यह अभियान लगातार जारी रहेगा। पुलिस टीम ने लोगों से सहयोग की अपील करते हुए कहा कि सड़क पर अनुशासन और नियमों का पालन ही सुरक्षित एवं सुगम यातायात की कुंजी है।

हमारी जनगणना, हमारा विकास अभियान के तहत व्यापारियों को किया जागरूक

चन्दौसी/संभल (सब का सपना):- अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल की युवा इकाई द्वारा हमारी जनगणना, हमारा विकास अभियान के अंतर्गत नगर के व्यापारियों को जागरूक करने के लिए एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम युवा इकाई के नगर अध्यक्ष अनुज वार्ष्णेय अन्नू के नेतृत्व में नगर पालिका अध्यक्ष लता वार्ष्णेय के आवास पर सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में व्यापारियों को संबोधित करते हुए अनुज वार्ष्णेय अन्नू ने कहा कि जनगणना किसी भी क्षेत्र के विकास की आधारशिला होती है। सही आंकड़ों के माध्यम से सरकार व्यापारियों एवं आमजन के हित में बेहतर योजनाएं और नीतियां बना सकती है। उन्होंने व्यापारियों से अपील की कि वे जनगणना प्रक्रिया में सक्रिय सहयोग करें और सही जानकारी उपलब्ध कराएं।

समाजसेवी अखिलेश खिलाड़ी ने कहा कि नगर पालिका द्वारा बाजारों में भ्रमण कर व्यापारियों को हमारी जनगणना, हमारा विकास अभियान से जुड़े पत्रक वितरित किए जाएंगे तथा लोगों को इस राष्ट्रीय अभियान के महत्व के बारे में विस्तार से जागरूक किया जाएगा। कार्यक्रम में मौजूद व्यापारियों ने भी इस पहल का स्वागत करते हुए अभियान को पूर्ण सहयोग देने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर प्रभात कृष्णा, शाह आलम मंसूरी, तुषार कृष्टल, निशांत शर्मा, डीपी वार्ष्णेय, मुकुल शर्मा, पारुल पंडित, कार्तिक वार्ष्णेय सहित संगठन के अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

भाकियू कार्यकताओं ने 6 सूत्रीय मांगों को लेकर जिलाधिकारी से की वार्ता

किसानों की समस्याओं की उठाई मांग,समाधान न होने पर आंदोलन की चेतावनी

बहजोई/संभल (सब का सपना):- भारतीय किसान यूनियन टिकैत का एक प्रतिनिधिमंडल मंगलवार को पश्चिमी उत्तर प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष विजेन्द्र सिंह यादव के नेतृत्व में 6 सूत्रीय मांगों को लेकर जिलाधिकारी अंकित कुमार खंडेलवाल से मिला। जिला मुख्यालय बहजोई में हुई वार्ता को किसान नेताओं ने सकारात्मक बताया। प्रतिनिधिमंडल ने किसानों से जुड़ी विभिन्न समस्याओं को जिलाधिकारी के समक्ष रखते हुए शीघ्र समाधान की मांग की। जिलाधिकारी ने सभी मांगों को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। भाकियू नेताओं ने आरोप लगाया कि जिला सहकारी बैंक द्वारा किसानों से 7 प्रतिशत वार्षिक ब्याज की वसूली की जा रही है, जबकि गुन्नौर तहसील, जो बदायूं जिला सहकारी बैंक के अंतर्गत आती है, वहां मात्र 3 प्रतिशत की दर से वसूली हो रही है। किसानों ने इसे नियम विरुद्ध बताते हुए एक जिले में अलग-अलग ब्याज दरों का विरोध किया। इसके अलावा जल जीवन मिशन के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में खोदी गई सड़कों की मरम्मत न होने और

पानी की टंकियों के अधूरे कार्यों का मुद्दा भी उठाया गया। किसान नेताओं ने संबंधित कंपनियों और ठेकेदारों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

प्रतिनिधिमंडल ने जायद सीजन में मक्का की सरकारी खरीद बढ़ाने, क्रय केंद्रों की संख्या बढ़ाने तथा लक्ष्य निर्धारित करने की भी मांग रखी। इस पर जिलाधिकारी ने अपर जिलाधिकारी प्रदीप कुमार वर्मा को शासन से लक्ष्य बढ़ाने की मांग भेजने के निर्देश दिए। गंगा एक्सप्रेसवे पर विकसित किए जा रहे औद्योगिक गलियारे के लिए भूमि अधिग्रहण का मुद्दा भी प्रमुखता से उठाया गया। किसानों ने कहा कि पिछले दस वर्षों से सर्किल रेट नहीं बढ़ाया गया है, इसलिए पहले सर्किल रेट बढ़ाया जाए, उसके बाद ही किसानों की भूमि का अधिग्रहण किया जाए। भाकियू नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि समस्याओं का शीघ्र समाधान नहीं हुआ तो भारतीय किसान यूनियन टिकैत जिला मुख्यालय पर आंदोलन करने को बाध्य होगी। इस दौरान रामवीर उपाध्याय यादव, उदयवीर सिंह, चंद्रपाल सिंह यादव, वीरेन्द्र सिंह, डॉ. पुरेंद्र सिंह यादव, महेश यादव, राजपाल सिंह यादव, शिवनारायण सिंह यादव, देवन कुमार सहित कई किसान नेता मौजूद रहे।

मिशन शक्ति कार्यक्रम में छात्रा बनी सांकेतिक जिलाधिकारी, प्रशासनिक कार्यप्रणाली को करीब से जाना

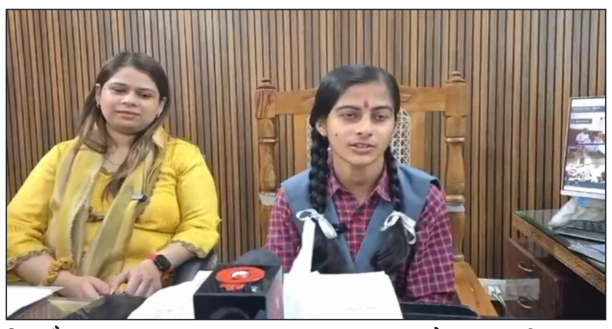

बिजनौर (सब का सपना):- मिशन शक्ति अभियान फेज 5.0 के अंतर्गत मंगलवार को राखी मेमोरियल विद्या निकेतन गर्ल्स इंटर कॉलेज की मेधावी छात्रा कु. सृष्टि चौहान को एक दिन के लिए सांकेतिक जिलाधिकारी बनाया गया। इस दौरान उन्होंने कलेक्ट्रेट पहुंचकर प्रशासनिक कार्यों की जानकारी प्राप्त की और जनसुनवाई सहित विभिन्न विभागीय व्यवस्थाओं को नजदीक से समझा। कु. सृष्टि चौहान, जो 11वीं कक्षा की छात्रा हैं और विकासखंड अफजलगढ़ के ग्राम मानियावाला गढ़ी निवासी सीताराम चौहान की पुत्री हैं, ने जिलाधिकारी कार्यालय में अधिकारियों के कार्यों का अवलोकन किया। जिलाधिकारी जसजीत कौर ने उन्हें शासन की योजनाओं, प्रशासनिक जिम्मेदारियों और सरकारी व्यवस्थाओं के संचालन के बारे में विस्तार से जानकारी दी। सांकेतिक जिलाधिकारी बनी सृष्टि चौहान ने कलेक्ट्रेट स्थित महात्मा विदुर सभागार में आयोजित महिला जनसुनवाई में भी हिस्सा लिया। उन्होंने फरियादियों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और संबंधित विभागीय अधिकारियों को शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर जिलाधिकारी जसजीत कौर ने मिशन शक्ति अभियान के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि सरकार महिलाओं और बालिकाओं को आत्मनिर्भर, शिक्षित और सशक्त बनाने के लिए लगातार कार्य कर रही है। उन्होंने छात्राओं से आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने और समाज निर्माण में अपनी सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में आईसीडीएस विभाग की रविता राठी, राखी मेमोरियल विद्या निकेतन गर्ल्स इंटर कॉलेज की प्रधानाचार्या संध्या शर्मा सहित अन्य अधिकारी और शिक्षिकाएं मौजूद रहीं। कार्यक्रम के दौरान छात्राओं में विशेष उत्साह देखने को मिला।

अफजलगढ़ में 13 मई को दिव्यांगजन चिन्हांकन एवं सहायक उपकरण शिविर किया जाएगा आयोजित

बिजनौर (सब का सपना):- जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी जागेश्वर सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि 13 मई 2026 को विकास खंड परिसर अफजलगढ़ में दिव्यांगजनों के लिए विशेष चिन्हांकन एवं सहायता शिविर आयोजित किया जाएगा। शिविर में दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी जाएगी तथा पात्र दिव्यांगजनों को उनकी आवश्यकता के अनुसार ट्राईसाइकिल, व्हीलचेयर, बैसाखी, कान की मशीन, लेप्रोसी किट, एमआर किट और स्मार्ट केन सहित अन्य सहायक उपकरण उपलब्ध कराने के लिए चिन्हांकन किया जाएगा। इसके अलावा दिव्यांग एवं कुष्ठावस्था पेंशन, आधार प्रमाणीकरण, फैमिली आईडी, यूडीआईडी कार्ड, दिव्यांगजन शादी-विवाह प्रोत्साहन पुरस्कार योजना तथा दुकान ऋण संचालन योजना से संबंधित कार्य भी शिविर में किए जाएंगे। शिविर में पांच वर्ष से कम आयु के मूक-बधिर बच्चों के लिए निःशुल्क कॉक्लियर इम्प्लांट एवं करेक्टिव सर्जरी हेतु भी चिन्हांकन किया जाएगा। जिला प्रशासन ने पात्र दिव्यांगजनों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर योजनाओं का लाभ लेने की अपील की है।

नजीबाबाद में कपड़ा व्यापारी की दुकान में लगी आग, लाखों का सामान जलकर हुआ राख

अग्निशमन विभाग ने कड़ी मशक्कत के बाद पाया आग पर काबू

नजीबाबाद/बिजनौर (सब का सपना):- जनपद बिजनौर के नजीबाबाद के कटहरा मार्केट में कपड़े की दुकान में शॉर्ट सर्किट से भयंकर आग लगने से अफरा तफरी मच गयी, सूचना से पुलिस प्रसाशन में हड़कंप मच गया। अग्निशमन विभाग की कई गाड़ियां मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। आग लगने से कपड़ा व्यापारी का लाखों रुपए का नुकसान बताया जा रहा है। सोमवार की रात्रि में कटहरा मार्किट में तरुण की कपड़े की तीन मंजिला दुकान में बिजली के शॉर्ट सर्किट से भंयकर आग लग गई। सुबह सवेरे लोगों ने दुकान से धुआं उठता देखा तो लोगों ने जाना कि दुकान में आग लग गई।लोगों ने दुकान स्वामी तरुण और उनके बेटे रजत को घटना की सूचना दी। सूचना पर पर फायर ब्रिगेड की कई गाड़ियां पहुंची और आग पर काबू पाने की कोशिश की। संकरा रास्ता होने के कारण फायर ब्रिगेड सर्विस को भारी मशक्कत करनी पड़ी। बता दें कि मार्किट में तरुण की सबसे बड़ी तीन मंजिला दुकान थी। आग लगने से दुकान में रखा कपड़ा जल कर राख हो गया। आग से आस पास के दुकानदारों में भी खलबली मची रही।

आग लगने से कपड़ा व्यापारी का लाखो का नुकसान होना बताया जा रहा है। उधर लोगो का कहना है कटहरा बाजार शहर का मशहूर बाजार है यहाँ पर हर समय भीड़ रहती है अगर आग दिन में लग जाती तो बडा हादसा हो सकता था।

जल जीवन मिशन पंप हाउस में मिला प्रतिबंधित लकड़ी का जखीरा, वन विभाग की छापेमारी

अफजलगढ़/बिजनौर (सब का सपना):- थाना अफजलगढ़ क्षेत्र में जल जीवन मिशन के एक पंप हाउस में अवैध लकड़ी कारोबार का बड़ा खुलासा हुआ है। मुरादाबाद वन विभाग के उड़नदस्ता दल ने छापेमारी कर भारी मात्रा में प्रतिबंधित लकड़ी बरामद की है। वन विभाग की कार्रवाई के दौरान खैर, सागौन और शीशम प्रजाति की लकड़ी बड़ी मात्रा में पाई गई। आरोप है कि जल जीवन मिशन के पंप हाउस को मिनी आरा मशीन केंद्र बनाकर अवैध तरीके से लकड़ी काटने और सप्लाई का काम किया जा रहा था। सूत्रों के अनुसार लकड़ी को गट्टों में तैयार कर क्षेत्र के होटलों और अन्य स्थानों पर सप्लाई किया जा रहा था। बताया जा रहा है कि यह कारोबार लंबे समय से बड़े पैमाने पर संचालित हो रहा था। छापेमारी के बाद वन विभाग ने मौके से लकड़ी को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। विभागीय अधिकारी पूरे नेटवर्क और इसमें शामिल लोगों की भूमिका की पड़ताल कर रहे हैं। घटना के बाद क्षेत्र में हड़कंप मचा हुआ है।

डॉ. अम्बेडकर शोभायात्रा समिति ने शोभायात्रा के कलाकार-सहयोगियों को किया सम्मानित

गुलावठी/बुलंदशहर (सब का सपना):- हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी 14 अप्रैल को नगर में डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती के मौके पर शोभायात्रा निकाली गई थी। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने पर शोभायात्रा में शामिल कलाकारों, झांकियों और सहयोगियों को सम्मानित करने के लिए एक कार्यक्रम नगर मोहल्ला भीमनगर स्थित डॉ. अंबेडकर पुस्तकालय परिसर में बाबा साहेब जन्मोत्सव शोभायात्रा समिति द्वारा आयोजित किया गया। पुरस्कार वितरण एवं सम्मान समारोह के मुख्य अतिथि नगर पालिका चेयरमैन शैलेश तेवतिया रहे। उन्होंने शोभायात्रा में पात्र बने बच्चों को शील्ड व प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया। साथ ही, आयोजन को सफल बनाने में सहयोग करने वालों को भी सम्मानित किया। इस अवसर पर चेयरमैन शैलेश तेवतिया ने सभी अभिभावकों से अपने बच्चों को शिक्षित करने की अपील की, ताकि बाबा साहेब के सपनों को साकार किया जा सके। इस मौके पर समिति के अध्यक्ष पुष्पेन्द्र सिंह, उपाध्यक्ष- संदीप पिपिल, महासचिव- विकास कुमार, सचिव- सुभाष चन्द, कोषाध्यक्ष- जीत सिंह, देवराय मोहित, मीडिया प्रभारी मनोज कुमार, कनक सिंह, धर्मेंद्र सिंह, शुभम अग्रवाल, सभासद अनिमेश अगस्तीन, शमीम आलम, मास्टर रूप सिंह, जीत सिंह, रणवीर सिंह, विकास कुमार, मोहित, डॉ. नदीम, सुंदर सिंह, रिंकू कुमार, अजय कुमार, सुनील कुमार आदि मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन समिति अध्यक्ष एवं सभासद पुष्पेंद्र सिंह ने किया।

घर में फंदे पर लटका मिला किशोरी का शव, परिवार में मचा कोहराम

बिजनौर (सब का सपना):- स्योहारा थाना क्षेत्र के गांव गांवड़ी महावतपुर में मंगलवार को एक किशोरी का शव घर के अंदर फंदे पर लटका मिलने से परिवार में कोहराम मच गया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मामले की जांच की जा रही है। जानकारी के अनुसार गांव गांवड़ी महावतपुर निवासी 15 वर्षीय सृष्टि पुत्री स्वर्गीय मोहित कुमार का शव घर में फांसी के फंदे पर लटका मिला। घटना का पता चलते ही परिवार के लोगों में चीख-पुकार मच गई और आसपास के ग्रामीण भी मौके पर जमा हो गए। बताया जा रहा है कि किशोरी के माता-पिता की पहले ही मृत्यु हो चुकी है। माता-पिता के निधन के बाद सृष्टि और उसके छोटे भाई का पालन-पोषण उनके चाचा नन्हे द्वारा किया जा रहा था। परिजनों के अनुसार भाई-बहन के बीच अक्सर विवाद होता रहता था। घटना की सूचना मिलने पर स्योहारा पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पंचायतनामा भरते हुए पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर आसपास के लोगों से भी जानकारी जुटाई।

स्योहारा थाना प्रभारी संजय कुमार ने बताया कि किशोरी की मौत के सही कारणों का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही चल सकेगा। फिलहाल पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर मामले की जांच कर रही है।

खाली पड़े मकान में मिला अज्ञात युवक का शव, इलाके में फैली सनसनी

बिजनौर (सब का सपना):- झालू कस्बे के रसूलपुर मार्ग स्थित कब्रिस्तान के पीछे एक खाली पड़े मकान में अज्ञात युवक का सड़ा-गला शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। शव कई दिन पुराना बताया जा रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। मंगलवार को स्थानीय लोगों को खाली मकान से तेज दुर्गंध महसूस हुई। शक होने पर आसपास के लोगों ने मकान के अंदर जाकर देखा तो बरामदे में जीने के नीचे एक युवक का शव पड़ा मिला। शव की हालत काफी खराब थी, जिससे उसकी पहचान नहीं हो सकी। घटना की सूचना पर झालू चौकी पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने आसपास के लोगों से पूछताछ की और मौके की जांच पड़ताल की। मामले की गंभीरता को देखते हुए फील्ड यूनिट टीम को भी बुलाया गया, जिसने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए। पुलिस को मौके से खाली इंजेक्शन की सीरीज और कथित नशीले पदार्थों के रैपर भी बरामद हुए हैं। इससे युवक की मौत को लेकर कई तरह की आशंकाएं जताई जा रही हैं। हालांकि, पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत का सही कारण स्पष्ट हो सकेगा।

हल्दौर थाना प्रभारी किशन अवतार ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। युवक की शिनाख्त कराने का प्रयास किया जा रहा है और मामले की हर पहलू से जांच की जा रही है।

सूखा भूसा, प्यास और तपिश के बीच दम तोड़ते गौवंश, जिम्मेदार मौन

शिकायत के बाद हरकत में आया प्रशासनः एसडीएम ने मौके पर पहुंच किया निरीक्षण, मिली खामियां

धामपुर/अफजलगढ़ (सब का सपना):- एक ओर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार निराश्रित गौवंशों के संरक्षण और गौशालाओं के संचालन पर करोड़ों रुपये खर्च करने का दावा कर रही है, वहीं दूसरी ओर बिजनौर जिले के अफजलगढ़ ब्लॉक के गांव बहादरनगर शेरगढ़ स्थित अस्थाई गौशाला की भयावह तस्वीरें सरकारी दावों की पोल खोलती नजर आ रही हैं। यहां गौवंश बदहाली, भूख, प्यास और भीषण गर्मी के बीच तड़प-तड़प कर जिंदगी काटने को मजबूर हैं। गौशाला में मौजूद कई गायें और बछड़े सूखा भूसा खाने को मजबूर दिखाई दिए, जबकि हरे चारे की समुचित व्यवस्था पूरी तरह नदारद मिली। कई स्थानों पर चारे के नाम पर केवल सूखी घास और सड़ा हुआ भूसा पड़ा मिला, जिसे खाने के लिए गौवंश आपस में संघर्ष करते नजर आए। भीषण गर्मी और तेज धूप के बीच गौवंश घंटों प्यासे रहने को मजबूर हैं, क्योंकि पीने के पानी की पर्याप्त व्यवस्था नहीं है। कई टंकियां सूखी मिलीं और जिनमें पानी था भी, वह गंदगी से भरा दिखाई दिया। तपती धूप में बिना शेड और बिना समुचित छांव के खड़े गौवंशों की हालत देखकर ग्रामीणों का दिल दहल उठा। गौशाला परिसर में कई गायें घायल अवस्था में पड़ी मिलीं, जिनके शरीर पर जख्म साफ दिखाई दे रहे थे, लेकिन उनके उपचार के लिए कोई पशु चिकित्सक या कर्मचारी मौके पर मौजूद नहीं मिला। हालत इतनी बदतर है कि कई गौवंश दम तोड़ चुके हैं और उनके शव गौशाला परिसर के आसपास पड़े रहने से क्षेत्र में दुर्गंध फैल रही है। ग्रामीणों का आरोप है कि मृत गौवंशों को समय से हटाया तक नहीं जाता, जिससे संक्रमण फैलने का खतरा बना हुआ है। लोगों का कहना है कि गौशाला में लंबे समय से अव्यवस्थाओं का अंबार लगा है, लेकिन जिम्मेदार अधिकारी केवल कागजों में व्यवस्थाएं दुरुस्त दिखाकर अपनी जिम्मेदारियों से पल्ला झाड़ रहे हैं। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि गौवंशों के नाम पर आने वाले सरकारी बजट का सही इस्तेमाल नहीं हो रहा और चारा, दवाई, पानी व देखभाल के नाम पर बड़ा खेल चल रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि सरकार गायों को बचाने के लिए योजनाएं चला रही है, लेकिन जमीनी स्तर पर सरकारी तंत्र पूरी तरह निष्क्रिय नजर आ रहा है। लोगों में इस बात को लेकर भी भारी नाराजगी है कि खुद को गौभक्त और हिंदूवादी बताने वाले कई नेता भी इस मामले में चुप्पी साधे हुए हैं। ग्रामीणों ने सवाल उठाया कि जब गौमाता भूख, प्यास और तपिश में तड़प रही हैं तब बड़े-बड़े मंचों से गौसेवा की बात करने वाले लोग आखिर कहां गायब हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि यही स्थिति रही तो गौशाला कब्रगाह में बदल जाएगी और इसका पाप जिम्मेदार अधिकारियों के साथ-साथ उन लोगों पर भी लगेगा जो गौसेवा के नाम पर राजनीति करते हैं। ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया कि बीती रात ग्राम प्रधान और गौशाला के केयरटेकर की मिलीभगत से गौशाला परिसर की भूमि पर खड़े कीमती पेड़ों को लकड़ी माफियाओं से कटवाया जा रहा था। रात के अंधेरे में चल रहे इस खेल की भनक लगते ही ग्रामीण मौके पर पहुंच गए और विरोध शुरू कर दिया। ग्रामीणों के पहुंचते ही वहां हड़कंप मच गया। आरोप है कि विरोध बढ़ता देख लकड़ी कटान में शामिल लोग मौके से फरार हो गए। इसके बाद ग्रामीणों ने पूरे मामले की सूचना पुलिस को दी और कार्रवाई की मांग उठाई। ग्रामीणों का कहना कि गौशाला में जहां एक ओर गायें भूख प्यास से मर रही हैं, वहीं दूसरी ओर वहां की संपत्ति को भी ठिकाने लगाने का खेल चल रहा है। लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि गौशाला की निष्पक्ष जांच कराई जाए, मृत गौवंशों की संख्या की जानकारी सार्वजनिक की जाए और चारा, पानी तथा दवाइयों के नाम पर खर्च हुए बजट की जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। शिकायतकर्ता सौरभशर्मा ने चेतावनी दी कि यदि समय रहते व्यवस्थाएं नहीं सुधारी गई तो बाकी गौवंश भी मौत के मुंह में समा जाएंगे। क्षेत्र के लोगों कहना है कि गाय माता की हाय बहुत भारी होती है और जो लोग गौसेवा के नाम लापरवाही कर रहे हैं, उन्हें इसका जवाब देना पड़ेगा। उधर एसडीएम धामपुर स्मृति मिश्रा ने आला अधिकारियों के साथ मौके पर पहुंच कर गौशाला का निरीक्षण किया। जिसमें भारी खामियां मिलने से उन्होंने संबंधित अधिकारियों को सख्त दिशा निर्देश दिए।

मानदेय न मिलने पर एनएचएम संविदा कर्मचारियों में आक्रोश, कार्य बहिष्कार की चेतावनी

बुलंदशहर (सब का सपना):- मार्च और अप्रैल माह का मानदेय न मिलने से नाराज राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के संविदा कर्मचारियों में भारी आक्रोश व्याप्त है। उत्तर प्रदेश राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन संविदा कर्मचारी संघ के बैनर तले मंगलवार को कर्मचारियों ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी बुलंदशहर को संबोधित ज्ञापन एसीएमओ डॉ. सुनील कुमार को सौंपकर जल्द भुगतान की मांग की। संघ के जिलाध्यक्ष दिनेश कुमार ने बताया कि लगातार कार्य करने के बावजूद कर्मचारियों को समय से वेतन नहीं मिल रहा है, जिससे आर्थिक संकट गहरा गया है। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि 20 मई तक कर्मचारियों का भुगतान नहीं किया गया तो 21 मई से जिले के सभी एनएचएम अधिकारी एवं कर्मचारी पूर्ण रूप से कार्य बहिष्कार करेंगे और मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय परिसर में धरने पर बैठेंगे। उन्होंने कहा कि नए शैक्षिक सत्र की शुरूआत हो चुकी है, ऐसे में बच्चों की फीस, किताबें और अन्य जरूरी खर्चों का दबाव लगातार बढ़ रहा है। स्कूलों से फीस जमा कराने के लिए फोन आ रहे हैं, जबकि कर्मचारियों की ईएमआई भी लंबित है। दो माह से वेतन न मिलने के कारण कर्मचारी मानसिक और आर्थिक परेशानियों से जूझ रहे हैं तथा कई कर्मचारियों के सामने परिवार चलाने तक का संकट खड़ा हो गया है। जिला महामंत्री डॉ. तहसीन रजा ने कहा कि यदि मानदेय का भुगतान समय पर नहीं हुआ तो 21 मई से ह्लनो पे, नो वर्कह्व की नीति अपनाते हुए कार्य बहिष्कार किया जाएगा। साथ ही जिले के सभी संविदा कर्मचारियों से आह्वान किया गया कि वे 21 मई को सुबह 10 बजे मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय में एकत्र होकर आंदोलन को सफल बनाएं। इस दौरान डीपीएम हरिप्रसाद, डॉ. परवेज, डॉ. गौतम लाल, डॉ. संजय कुमार, डॉ. राकेश कुमार, डॉ. अनुराधा, डॉ. रुपेश, डॉ. प्रवीण, डॉ. रीना, डॉ. खुशी, गिरेन्द्र राणा, दीपेश भाटी, सुदेश शर्मा, आदित्य शर्मा, डॉ. उर्वशी सिंह, योगेश पुंडीर, सौरव तेवतिया, कुलदीप सिंह, दुष्यंत, पंकज, रामसिंह जाट, सत्ताक्षी, रूद्र, सुनैना, भरत गुर्जर, अंकुर, सतेंद्र भाटी, भारत सिंह, सुरेन्द्र सिंह, पंकज यादव, जावेद खान, काजल शर्मा, डॉ. मनोज कुमार, डॉ. परवेज आलम, डॉ. संतोष गुप्ता, डॉ. योगेश शर्मा, डॉ. तबरेज आलम, डॉ. विनीत भारद्वाज, जितेंद्र सिंह, राखी सिंह, सौरभ, दीपक चौधरी, कलीम चौधरी, गौरी शंकर, प्रतिमा राणा, गौरव शर्मा समेत बड़ी संख्या में कर्मचारी मौजूद रहे।

डिबाई में भाजपा का मजबूत चेहरा बनकर उभरे अजय कुमार लोधी

डिबाई/बुलंदशहर (सब का सपना):- विधानसभा 68 में भाजपा टिकट को लेकर राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। इस बीच भाजपा के सक्रिय एवं जमीनी नेता अजय कुमार लोधी (घुसराना वाले) का नाम प्रमुख दावेदारों में चर्चा में है। करीब 30 वर्षों से भाजपा संगठन से जुड़े अजय लोधी ने क्षेत्र में मजबूत जनाधार बनाया है। विभिन्न चुनावों में कई पदों पर जीत दर्ज करने के साथ वर्तमान में भी संगठनात्मक जिम्मेदारियां निभा रहे हैं। वे गांव-गांव पहुंचकर केंद्र व प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का प्रचार-प्रसार कर रहे हैं तथा गरीब, किसान, मजदूर, युवा और महिलाओं को योजनाओं का लाभ दिलाने में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि अजय कुमार लोधी डिबाई विधानसभा से भाजपा टिकट के मजबूत दावेदार के रूप में उभर रहे हैं।

आनलाईन आम बेचने को लेकर किया गया गोष्ठी का आयोजन

बुगरासी/बुलंदशहर (सब का सपना):- कस्बा क्षेत्र में उचित दाम न मिल पाने सहित काफी समस्याओं से बागवान परेशान था। समस्याओं को दूर करने के लिये ऑनलाइन बिक्री हेतू किसानों को जुडने हेतू गोष्ठी का आयोजन किया गया तथा आम बागवानों ने भी अपनी समस्याओं से अवगत कराया। क्षेत्र के गांव घुंघरावली निवासी बागवान कृपाल सिंह चौहान के बाग में एक गोष्ठी का आयोजन हुआ। जहां कास्ट-कार्ट कंपनी की तरफ से सीईओ आसिफ रियाज व बिजनेस कॉर्डिनेटर अरू मिश्रा ने किसानों को आनलाइन बिक्री की सलाह दी। बताया कि मार्केट में ईकामर्स आनलाइन प्लेटफार्म है। गोष्ठी में विपती बोहरे, राजेन्द्र सिंह, अनिल लोधी, बाबा भूदेव, प्रकाश, सुभाष, रामवीर सिंह, पोरस, उमेश, लोकेश, समरपाल, शीशपाल आदि सहित घुंघरावली, चंदियाना, फरीदा बांगर, बसी बांगर सहित कई गांवो के किसान मौजूद रहे।

सांसद खेल महोत्सव के तहत खिलाड़ियों को वितरित की गई टी-शर्ट

स्याना/बुलंदशहर (सब का सपना):- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन एवं सांसद डॉक्टर भोला सिंह के नेतृत्व में आयोजित सांसद खेल महोत्सव के अंतर्गत क्षेत्र के विभिन्न विद्यालयों में खिलाड़ियों को टी-शर्ट वितरित की गई। कार्यक्रम के तहत अध्याकुलम पब्लिक स्कूल, एलिंगवा पब्लिक स्कूल तथा सेंट थॉमस पब्लिक स्कूल में खिलाड़ियों को टी-शर्ट प्रदान की गई। इस अवसर पर सांसद प्रतिनिधि विजय लोधी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा खेल एवं खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से सांसद खेल महोत्सव 2025 का आयोजन कराया गया है। सांसद डॉ भोला सिंह ने ग्रामीण क्षेत्र की प्रतिभाओं को मंच देने के लिए न्याय पंचायत, ब्लॉक, विधानसभा और लोकसभा स्तर तक प्रतियोगिताओं का आयोजन कराया, जिससे गांवों के खिलाड़ी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर सकें।

उन्होंने कहा कि ग्रामीण अंचल के बच्चों ने खेल महोत्सव में उत्साहपूर्वक भाग लिया और खिलाड़ियों के उत्साहवर्धन के लिए टी-शर्ट वितरित की जा रही हैं। टी-शर्ट वितरण कार्यक्रम में विजय लोधी, परमात्माशरण त्यागी, विक्रांत त्यागी तथा हरि वाल्मीकि उपस्थित रहे।

दोषी को 2 वर्ष कारावास, 5 हजार रुपये के अर्थदंड की सुनाई गई सजा

बुलन्दशहर (सब का सपना):- विशेष लोक अभियोजक योगेश कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि जिला एवं सत्र न्यायालय बुलंदशहर में गैंगस्टर एक्ट के एक पुराने मामले में दोषसिद्धि करते हुए न्यायालय ने अभियुक्त को दो वर्ष के कारावास तथा 5 हजार रुपये के अर्थदंड की सजा सुनाई है।

विशेष लोक अभियोजक योगेश कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि अभियुक्त सुल्तान उर्फ चूहा पुत्र अमीन खां निवासी ग्राम कोराली, थाना कोतवाली देहात जनपद बुलंदशहर, एक सक्रिय आपराधिक गिरोह का सदस्य था। इस गिरोह का सरगना आलम बंजारा था, जो अपने साथियों के साथ मिलकर अवैध हथियारों के बल पर जानलेवा हमला, चोरी और लूट जैसी वारदातों को अंजाम देकर अवैध धन अर्जित करता था।अभियोजन के अनुसार, गिरोह के आतंक के कारण क्षेत्र में भय का माहौल बना हुआ था और आमजन इनके खिलाफ शिकायत दर्ज कराने अथवा गवाही देने से कतराते थे। गिरोह में कुल सात सदस्य शामिल थे, जिनका लंबा आपराधिक इतिहास रहा है। अपराधों पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से तत्कालीन थाना प्रभारी कोतवाली देहात थाना द्वारा 2 अक्टूबर 2009 को गैंग चार्ट तैयार किया गया था। इसके आधार पर उत्तर प्रदेश गिरोहबंद एवं समाज विरोधी क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम की धारा 2/3 के अंतर्गत मुकदमा पंजीकृत कराया गया।

मामले की विवेचना तत्कालीन थाना प्रभारी औरंगाबाद थाना द्वारा की गई। जांच के दौरान पर्याप्त साक्ष्य संकलित होने पर अभियुक्त सुल्तान उर्फ चूहा सहित सात आरोपियों के विरुद्ध आरोप पत्र न्यायालय में प्रस्तुत किया गया।

मामले की सुनवाई के बाद तबरेज अहमद, अपर सत्र न्यायाधीश तृतीय (विशेष न्यायाधीश गैंगस्टर एक्ट), बुलंदशहर ने अभियुक्त सुल्तान उर्फ चूहा को दोषी पाते हुए दो वर्ष के कारावास तथा 5 हजार रुपये के अर्थदंड से दंडित किया।

बुलंदशहर में जिला अस्पताल में मनाया गया अंतर्राष्ट्रीय नर्सिंग दिवस

बुलंदशहर (सब का सपना):- कल्याण सिंह राजकीय मेडिकल कॉलेज(हॉस्पिटल) / जिला हॉस्पिटल में केक काटकर अंतर्राष्ट्रीय नर्सिंग दिवस मनाया गया। इस मौके पर अस्पताल की मैट्रन ने नर्सिंग स्टाफ को नर्सिंग उत्तरदायित्वयों का पालन करने की शपथ दिलवाई और कहा की अस्पताल में आए मरीजों के प्रति नर्सिंस का सहानुभूति पूर्ण व्यवहार होना चाहिए और चिकित्सक के दिए दिए गए आदेशों का पालन कर मरीज के स्वास्थ्य को सही करने की दिशा में सहयोग करना नर्स का उत्तरदायित्व है। मरीजों की सेवा करते हुए उनके स्वास्थ्य की उन्नति बीमारियों से रोकथाम करना और स्वास्थ्य की पुनर्स्थापना करना मरीज को पीड़ा से मुक्ति दिलाना नर्सिंस के लिए यह चार प्रमुख उत्तरदायित्व हैं। नर्सिंस डे पर मेडिकल कॉलेज के प्रधानाचार्य संजय मिश्रा, सीएमएस प्रदीप राणा,मैट्रन अमरजीत कौर और डॉक्टरों ने नर्सों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस (इंटरनेशनल नर्सेज डे) मनाया जाता है जो आधुनिक नर्सिंग की जननी फ्लोरेंस नाइटिंगेल के जन्मदिन पर स्वास्थ्य सेवा में नर्सों के निस्वार्थ योगदान और समर्पण को सम्मानित करता है। सशक्त नर्सें जीवन बचाती हैं और नर्सेज दुनिया भर में मरीजों की निस्वार्थ भाव से सेवा करती है।फ्लोरेंस नाइटिंगेलः उन्हें 'लेडी विद द लैंप' के नाम से भी जाना जाता है।यह दिन याद दिलाता है कि जब भी स्वास्थ्य संकट (जैसे महामारी) आती है तो नर्सें फ्रंटलाइन पर खड़े होकर मरीजों की निस्वार्थ सेवा करती है। नर्सों का स्वास्थ्य विभाग में अहम योगदान रहता है। डॉ धीर, डॉ परविंदर, डॉ पंकज झा,डॉ राज बहादुर,डॉ रवि प्रकाश,डॉ अकेक्षा,डॉ रोहित वार्ष्णेय, फार्मासिस्ट वी गुप्ता, फिजिशियन नवीन, शैलेन्द्र, मनोज, ब्रह्म स्वरुप, नर्स कुसुम,एसके आर्या, मिथिलेश, मनीषा,गीता, नीतू,रचना,रश्मि,आभा, कविता,मंजू, ललिता सहित समस्त स्टाफ मौजूद रहा।

समाजवादी मजदूर सभा की मासिक बैठक का किया गया आयोजन

बुलंदशहर (सब का सपना):- समाजवादी मजदूर सभा की मासिक बैठक जिला कार्यालय बुलन्दशहर पर संपन्न हुई। बैठक का मुख्य एजेंडा संगठन को मजबूत बनाने पर के लिए 17 ब्लाकों पर टीम का गठन करना व चुनाव की तैयारी में गांव गांव जनसंपर्क करना जनता की जनसमस्याओं को सुनना व हाई कमान तक पहुंचाने के लिए एकत्रित करना रहा। बैठक में मुख्य रूप से उपस्थित हाजी अख्तर अली राज्य कमेटी विशेष आमंत्रित सदस्य समाजवादी पार्टी प्रेमवीर सिंह यादव वरिष्ठ नेता सपा चौधरी चन्द्रपाल सिंह प्रदेश उपाध्यक्ष समाजवादी पार्टी मजदूर सभा श्रीमती नीतू सिंह जिला सचिव समीम सैफी जिला उपाध्यक्ष लोकेश यादव जिला उपाध्यक्ष बाबुद्दीन खां जिला उपाध्यक्ष डॉ, जगदीश गौतम जिला सचिव नबाव शाह जलाली प्रचार मंत्री अमित त्यागी जिला सचिव सादाव जिला सचिव बाबूलाल प्रजापति नगर अध्यक्ष सिकन्द्राबाद जय सिंह प्रजापति विधानसभा अध्यक्ष सिकन्द्राबाद इकबाल कुरैशी नगर अध्यक्ष खानपुर शहिद खां जिला सचिव सामंता सिंह ठेकेदार लखावटी ब्लाक अध्यक्ष जोगेन्दर सिंह लोधी जिला सचिव आदि मौजूद रहे।

जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष ने जानलेवा हमलावरों के शस्त्र लाइसेंस निरस्त करने और अन्य गिरफ्तारी की मांग की

बुलंदशहर (सब का सपना):- जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जियाउर्रहमान एडवोकेट ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बुलंदशहर को पत्र देकर उनके अधिवक्ता पिता इमामुद्दीन एडवोकेट एवं रिश्तेदार रउफ खान पर जानलेवा हमला करने वाले आरोपियों के शस्त्र लाइसेंस निरस्त करने की मांग की है। जियाउर्रहमान ने बचे हुए हमलावरों को भी तत्काल गिरफ्तार करने की मांग की है। जियाउर्रहमान ने कहा कि दिनांक 11 मई 2026 को उनके पिता इमामुद्दीन एडवोकेट एवं रिश्तेदार रउफ खान पर जान से मारने की नीयत से अंधाधुंध फायरिंग की गई थी, जिसमें दोनों लोग बाल-बाल बच गए। इस संबंध में थाना कोतवाली नगर में अपराध संख्या 478/2026 दर्ज है। उन्होंने कहा कि नामजद आरोपी आपराधिक मानसिकता के हैं और कानून की जानकारी होने के बावजूद लगातार भय और दबाव का माहौल बनाने का प्रयास कर रहे हैं। ऐसे लोगों के पास शस्त्र लाइसेंस होना समाज और कानून व्यवस्था के लिए गंभीर खतरा है। जियाउर्रहमान ने एसएसपी से मांग की कि मामले में शामिल सभी आरोपियों के शस्त्र लाइसेंस तत्काल निरस्त किए जाएं तथा उनके विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, ताकि भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो सके।

अमरोहा में अचानक बदला मौसम का मिजाज, ठंडी हवाओं व बारिश ने लोगों को दिलाई गर्मी से राहत

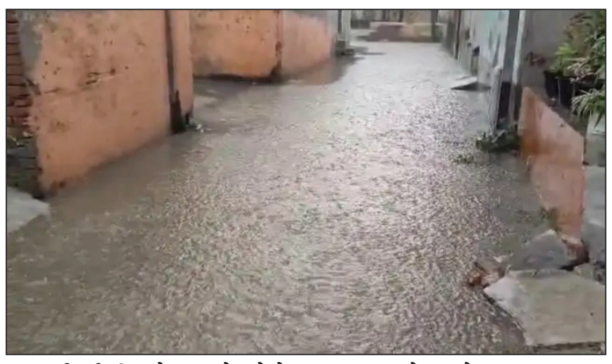

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद में अचानक बदले मौसम के मिजाज ने लोगों को गर्मी से राहत दिलाई। मंगलवार की सुबह आसमान में काले बादल छा गए मानो दिन निकलने के बाद फिर से अंधेरा छा गया हो जिसके बाद कुछ ही देर में ठंडी हवाओं के साथ बारिश ने भी अपना काम शुरू कर दिया।अचानक बदले इस मौसम के मिजाज ने मौसम सुहावना कर दिया, कई दिनों से पड़ रही भीषण गर्मी से लोगों को इस बारिश से काफी राहत मिली। अमरोहा में पिछले कई दिनों से भीषण गर्मी पड़ रही थी जिसके चलते लोगों का दोपहर में घर से निकलना भी दूभर हो गया था,लोग जरूरी काम से ही बाहर निकल रहे थे लेकिन मंगलवार सुबह अचानक मौसम बदल गया और तेज हवाओं के साथ बारिश की ठंडी ठंडी बूंद ने मौसम ठंडा कर दिया ,अचानक आसमान में काले बादल छा गए और देखते ही देखते बारिश शुरू हो गई। करीब आधे घंटे की बरसात ने मौसम सुहावना कर दिया ।इस बारिश के होने से तापमान भी 6 डिग्री नीचे पहुंच गया जिससे लोगों को भीषण गर्मी से राहत मिली।

यमुना बाढ़ क्षेत्र में पूजा-पाठ और व्यापार पर पाबंदी, पार्किंग तक पर रोक; दिल्ली एचसी ने पलटा एमसीडी का फैसला

नई दिल्ली। दिल्ली हाई कोर्ट ने पारिस्थितिक रूप से संवेदनशील यमुना नदी के बाढ़ क्षेत्र में किसी भी प्रकार की धार्मिक या व्यावसायिक गतिविधि पर रोक लगा दी है। कोर्ट ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के हित और क्षेत्र की पारिस्थितिक संवेदनशीलता को देखते हुए बाढ़ क्षेत्र में किसी भी प्रकार की व्यावसायिक/धार्मिक गतिविधियों पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगाया जाएगा। कोर्ट ने दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) को यमुना सुर घाट पर ऐसी गतिविधियों पर प्रतिबंध लगाकर आदेश के कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। कोई अनुमति न दें, कोर्ट का डीडीए को आदेश कोर्ट ने निर्देश दिया कि डीडीए यह सुनिश्चित करे कि उक्त भूमि पर पार्किंग या किसी भी प्रकार की गतिविधि की अनुमति न दी जाए, फिर चाहे किसी शुभ अवसर पर नदी को श्रद्धांजलि अर्पित करने आने वाले लोगों की सुविधा के लिए ही क्यों न हो। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) द्वारा यमुना अदालत ने उक्त आदेश सुर घाट पर स्थित पार्किंग स्थल के रखरखाव के लिए 2022 में जारी किए गए टेंडर को बहाल करने की मांग वाली सुरेश कुमार की याचिका पर पारित किया। डीडीए और एमसीडी के बीच हुए एक समझौता ज्ञापन के तहत यह टेंडर जारी किया गया था। रखरखाव कार्य के लिए सुरेश कुमार ने सबसे ऊंची बोली लगाई थी।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमनाथ को बताया भारत का स्वाभिमान, गौरी शंकर मंदिर में किया जलाभिषेक

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमवार को सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण के 75 वर्ष पूर्ण होने पर चांदनी चौक स्थित प्राचीन गौरी शंकर मंदिर में आयोजित सोमनाथ स्वाभिमान पर्व में शिरकत की और भगवान शिव का विधि-विधान से जलाभिषेक किया। उन्होंने भक्तों को संबोधित करते हुए कहा कि सदियों तक हुए बर्बर आक्रमण और विध्वंस के बाद भी सोमनाथ की आस्था कभी नहीं झुकी। मुख्यमंत्री ने कहा कि सोमनाथ मंदिर केवल एक धार्मिक स्थल नहीं, भारत के आत्मा और स्वाभिमान का प्रतीक है। आज जिस भव्यता के साथ सोमनाथ विश्व के सामने खड़ा है, वह हर भारतीय के लिए आत्मगौरव का विषय है। मुख्यमंत्री मंदिर परिसर में आयोजित शिव भजन, ओंकार जाप और शिव तांडव जैसी सांस्कृतिक प्रस्तुतियों में भी शामिल होने के साथ ही गुजरात के सोमनाथ मंदिर से प्रधानमंत्री के राष्ट्र के नाम संबोधन को भी देखा। इस दौरान सुबह से ही गौरी शंकर मंदिर में पूजा के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ लगी रही। लोग कतारों में लगकर अपनी बारी का इंतजार करते दिखे। शिव भजनों की गूंज और ओंकार जाप से चांदनी चौक शिवमय हो गया। आक्रांताओं ने भारत के सनातन को नष्ट करने का प्रयास किया: कपिल मिश्रा कार्यक्रम में उपस्थित कला, संस्कृति व पर्यटन मंत्री कपिल मिश्रा ने कहा कि आक्रांताओं ने शक्ति के बल पर भारत के सनातन केंद्रों को नष्ट करने का प्रयास किया, लेकिन वह सनातन को समाप्त नहीं कर पाए। आज वह आक्रांता इतिहास के मलबे में दब गए हैं, लेकिन सनातन आज भी पूरे गौरव और वैभव के साथ खड़ा है। इस अवसर पर पीडब्ल्यूडी मंत्री प्रवेश वर्मा और पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा सहित अन्य गणमान्य उपस्थित रहें।

दिल्ली पुलिस के एसआई ने रिश्वत ठुकराई, फिर उगाही करने वाले को कराया गिरफ्तार

नई दिल्ली। एक तरफ जहां दिल्ली पुलिस के कुछ पुलिसकर्मी भ्रष्टाचार में शामिल होकर दिल्ली पुलिस की वर्दी पर दाग लगा रहे है, वहीं दिल्ली ट्रैफिक पुलिस में तैनात सब-इंस्पेक्टर (एसआई) ने इस दाग को धोने की कोशिश की है। एसआई रोहताश ने रिश्वत दे रहे एक व्यावसायिक वाहन चालक को न केवल पकड़वाया, जबकि उसके खिलाफ बीएनएस की धाराओं में एफआईआर भी दर्ज कराई है। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस अधिकारियों के अनुसार आरोपी मोहम्मद असद (24) पुलिसकर्मी की घड़ी में लगे स्पाई कैमरे से व स्पीकर से रिकार्डिंग कर एसआई से दो लाख रुपये की उगाही करना चाहता था। आरोपी के व्यावसायिक ईको कार के खिलाफ 35 से ज्यादा चालान पेंडिंग हैं। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि ट्रैफिक पुलिस के तिलक मार्ग सकल में तैनात एसआई रोहताश शनिवार सुबह मंडी हाउस सर्किल में ड्यूटी कर रहे थे। तभी वहां से गुजर रही ईको कार को रोका। कार को पूर्वी दिल्ली के कृष्ण नगर निवासी मोहम्मद असद चला रहा था। एसआई रोहताश ने उससे गाड़ी के कागजात व नो इंट्री परमिशन मांगी तो आरोपी पुलिस अधिकारी को रिश्वत देने लगा। उसके पास कुछ भी कागजात नहीं थे। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, एसआई ने रिश्वत लेने से साफ इंकार दिया। इस दौरान आरोपी गाड़ी के पीछे जाकर हाथ में पहनी हुई घड़ी के साथ छेड़छाड़ कर रहा था। वह बोल रहा था कि अभी पुलिसकर्मी रिश्वत मांगेगा और रिश्वत लेगा। आरोपी के बार-बार कहने पर एसआई ने पैसे नहीं लिए। इसके बाद एसआई उसे तिलक मार्ग थाने ले जाने लगे तो वह एसआई को रिकार्डिंग होने की धमकी देने लगा। आरोपी ने दो लाख रुपये मांगे इस दौरान आरोपी मोहम्मद असद ने एसआई रोहताश से कहा कि उसकी रिकार्डिंग हो गई है। इस रिकार्डिंग को डिलीट करने की एवज में उसने दो लाख रुपये मांगे। इसके बाद एसआई ने उसके खिलाफ तिलक मार्ग थाने में शिकायत दी। तिलक मार्ग थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर उसकी गाड़ी को जब्त कर लिया गया। आरोपी मोहम्मद असद को बाउन-डाउन किया है।

सोनोग्राफी रोग का पता लगाने की एक जांच विधि है। इसके लिए जो मशीन इस्तेमाल में लाई जाती है, उससे अल्ट्रासाउंस वेव्स उत्पन्न की जाती हैं। जब इन तरंगों को शरीर के किसी खास हिस्से के ऊपर प्रवाहित किया जाता है, तो सोनोग्राफी मशीन से जुड़ी एक स्क्रीन पर संबंधित अंग, टिश्यू और शरीर के उस हिस्से में हो रहे रक्त संचार की तस्वीरें नजर आने लगती हैं। तस्वीरें लेने की इस प्रक्रिया को ही चिकित्सा क्षेत्र की कामकाजी शब्दावली में सोनोग्राफी या अल्ट्रासाउंड स्कैन कहा जाता है।

अल्ट्रासाउंड टेक्निशियन
रोग की जड़ तक पहुंचाने का पेशा

अल्ट्रासाउंड टेक्निशियन को ही सोनोग्राफर कहा जाता है। पैरामेडिकल क्षेत्र के ये पेशेवर कुछ विशेष उपकरणों की मदद से मरीजों के रोगग्रस्त अंगों की तस्वीरें लेते हैं। सोनोग्राफी रोग का पता लगाने की एक जांच विधि है। इसके लिए जो मशीन इस्तेमाल में लाई जाती है, उससे अल्ट्रासाउंस वेव्स (उच्च फ्रिक्वेंसी वाली ध्वनि तरंगें) उत्पन्न की जाती हैं। जब इन तरंगों को शरीर के किसी खास हिस्से के ऊपर प्रवाहित किया जाता है, तो सोनोग्राफी मशीन से जुड़ी एक स्क्रीन पर संबंधित अंग, टिश्यू और शरीर के उस हिस्से में हो रहे रक्त संचार की तस्वीरें नजर आने लगती हैं। तस्वीरें लेने की इस प्रक्रिया को ही चिकित्सा क्षेत्र की कामकाजी शब्दावली में सोनोग्राफी या अल्ट्रासाउंड स्कैन कहा जाता है।

इसी तरह इस प्रक्रिया को संपन्न करने वाले पेशेवरों को सोनोग्राफर कहा जाता है। जिन सोनोग्राफरों के पास इमेजिंग और रक्त शिराओं का टेस्ट करने में विशेषज्ञता होती है, उन्हें वस्कुलर टेक्नोलॉजिस्ट कहा जाता है। सोनोग्राफी की जरूरत रोगी के शरीर (खासकर रोगप्रभावित अंग) को अंदर से देखने की यह एक ऐसी तकनीक है, जिसमें शरीर के साथ किसी भी तरह की चीर-फाड़ करने की जरूरत नहीं होती। सोनोग्राफी की इस खासियत के कारण इसका इस्तेमाल शरीर के कई अंगों मसलन पेट, स्तन, हृदय, रक्त नलिकाओं, प्रजनन संबंधी अंगों और पौरुष ग्रंथि आदि की जांच के लिए किया जाता है।

हृदय रोगों, हृदयाघात और नाड़ी संबंधी रोगों की पहचान और उनके उपचार में सोनोग्राफी का इस्तेमाल तेजी से बढ़ रहा है। यही नहीं कैंसर की जांच के लिए होने वाले बायोप्सी टेस्ट में भी सोनोग्राफी मददगार साबित हो रही है। कैंसर की आशंका वाले अंग में बीमारी का पता लगाने के लिए एक बारीक सुई की सहायता से संबंधित अंग से कोशिकाओं (सेल) का थोड़ा-सा नमूना लिया जाता है, जिसकी बाद में प्रयोगशाला में जांच की जाती है। इस प्रक्रिया के दौरान जब सुई को शरीर में प्रवेश कराया जाता है, तब सोनोग्राफी के माध्यम से ही देखा जाता है कि सुई तय स्थान पर पहुंच रही है या नहीं। स्पेशलाइजेशन के क्षेत्र (सोनोग्राफी में) ऑब्सटेट्रिक्स एंड गायनेकोलॉजिक सोनोग्राफी एब्डोमिनल सोनोग्राफी (लीवर, किडनी, गालब्लैडर और पैनक्रियाज) न्यूरोसोनोग्राफी (मस्तिष्क) ब्रेस्ट सोनोग्राफी वस्कुलर सोनोग्राफी (ब्लड वेसल्स) कार्डियक सोनोग्राफी (हर्ट) सोनोग्राफर का काम अस्पताओं, नर्सिंग होम और तमाम छोटे-बड़े चिकित्सा संस्थानों में सोनोग्राफर को नियुक्त किया जाता है। वहां वह अपने नियोक्ता संस्थान की जरूरत के अनुसार डायग्नोस्टिक इमेजिंग डिपार्टमेंट, ऑपरेशन थियेटर और आईसीयू (इंटेंसिव केअर यूनिट) आदि में डॉक्टरों और नर्सों के साथ काम करना होता है। उनके काम का मुख्य हिस्सा होता है,

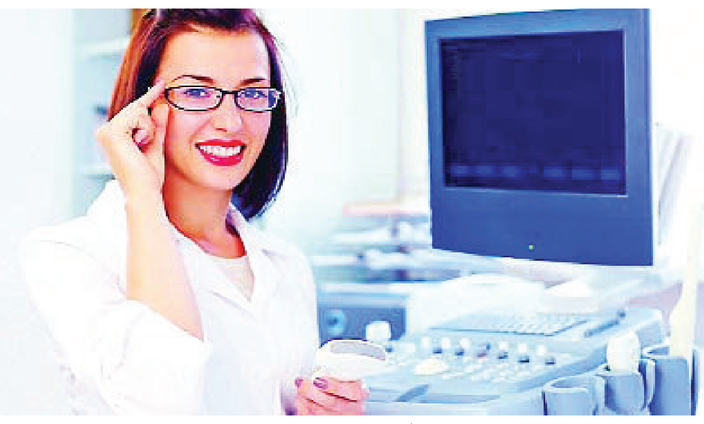

सोनोग्राफी के लिए उपकरणों को व्यवस्थित करना और मरीजों को सही पोजिशन में आने के लिए निर्देशित करना, ताकि बेहतर जांच रिपोर्ट मिल सके। इसके अलावा वह सोनोग्राफी के दौरान स्क्रीन पर यह भी देखते हैं कि रोगी के जिस अंग का चित्र (इमेज) लिया गया है, उससे रोग की पहचान संभव होगी या नहीं। वह लिए गए कई चित्रों में से उन्हीं चित्रों को अंतिम रूप से चुनते हैं, जिनके आधार पर डॉक्टर मरीज में रोग के होने या न होने के निष्कर्ष तक पहुंच सकें। सोनोग्राफर को अपने मूल कार्यो के अलावा कुछ अतिरिक्त कार्य भी करने होते हैं। इनमें रोगियों के रिकॉर्ड को रखना, उपकरणों का रख-रखाव और मरीजों को जांच के लिए समय देना आदि शामिल होता है। कई बार उन्हें पूरे डायग्नोस्टिक इमेजिंग विभाग के प्रबंधन संबंधी कार्यो को भी देखना होता है।

योग्यता

देश के कई शिक्षण संस्थानों में सोनोग्राफी के पाठ्यक्रमों का संचालन हो रहा है। यहां से सर्टिफिकेट से लेकर बैचलर डिग्री तक हासिल की जा सकती है। सोनोग्राफर बनने के लिए संबंधित विषय क्षेत्र में कम से कम सर्टिफिकेट कोर्स पास होना जरूरी है।

जरूरी गुण

» निरीक्षण करने की बेहतर दृष्टि
» अच्छा संवाद कौशल
» मरीजों के प्रति नरम रवैया
» लंबे समय तक काम करने की शारीरिक क्षमता
» अपने क्षेत्र की नई तकनीकों की जानकारी धैर्य और सहनशीलता
» रोगियों का विश्वास जीतने का हुनर

आसान नहीं चॉकलेट-टेस्टर का जॉब

सोचिए, अगर हर दिन आपको चॉकलेट टेस्ट करने को मिले और इसके लिए आपको पैसा भी मिले, तो कितना मजा आए! चॉकलेट टेस्टर ऐसे ही प्रोफेशनल होते हैं, जिनका काम अलग-अलग फ्लेवर के चॉकलेट्स को चखना होता है। खाने की कोई चीज टेस्ट करना स्वाद के शौकीनों के लिए हमेशा से आकर्षक होता है। ऐसे में, जिन्हें चॉकलेट से लगाव है, वे चॉकलेट टेस्टर के रूप में करियर संवार सकते हैं।

हालांकि चॉकलेट टेस्टर सिर्फ चॉकलेट का स्वाद ही नहीं जांचता, वह विभिन्न कैंडीज की जांच भी करता है कि उनमें चॉकलेट की कोटिंग की चमक-दमक सही है या उसमें किसी तरह की दरार तो नहीं है। साथ ही, वह चॉकलेट की महक को भी चेक करता है। टेस्टर चॉकलेट की बाइट लेकर कुछ सेकंड के लिए मुंह में रखता है और घुलने के देकर उसका पूरा फ्लेवर लेता है। वह इस बात को भी सुनिश्चित करता है कि घुलने के बाद चॉकलेट पूरे मुंह में फैल जाती हो, सिर्फ एक तरफ न रहती हो। मगर यह इतना टेस्टी मामला भी नहीं होता। चॉकलेट टेस्टर को कई बार खराब चॉकलेट भी टेस्ट करना पड़ जाता है!

कई बार टेस्टर दिन भर किसी छोटे-से कमरे में बंद रहता है और वहां लाल लाइट जलती रहती है, ताकि उसे चॉकलेट की पहचान न हो पाए और वह सही मूल्यांकन कर सके। एख टेस्टर को दिन भर में 25 से 30 तरह के चॉकलेट टेस्ट करने पड़ सकते हैं। सोचिए, जीभ की क्या हालत होती होगी! चॉकलेट टेस्टिंग वास्तव में एक कला है, जो नियमित अभ्यास मांगती है। इसके बाद ही कोई इसमें कुशलता हासिल कर सकता है।चॉकलेट एक ऐसा उत्पाद है, जिसका बाजार कभी खत्म नहीं हो सकता। चॉकलेट टेस्टिंग अब एक बेहतर प्रोफेशन का रूप ले चुका है। अगर आप चॉकलेट टेस्टर बनना चाहते हैं, तो आपको कुछ स्पेशलाइज्ड ट्रेनिंग हासिल करनी होगी। किसी संस्थान से कोर्स करने के बाद आप किसी एक्सपर्ट चॉकलेटियर के साथ ट्रेनी के रूप में जुड़ सकते हैं, ताकि इस फील्ड में और अनुभव हासिल हो। इसके बाद आप किसी चॉकलेट प्रोडक्शन कंपनी में जॉब कर सकते हैं।

स्किल – उम्मीदवार को चॉकलेट के फ्लेवर, टेक्सचर, वह कैसे मेल्ट, मोल्ड और टैम्पर होती है, इसकी जानकारी होनी चाहिए। उसके पास बेसिक कुकिंग स्किल तथा धैर्य होना चाहिए। साथ ही उसे खुले दिमाग का होना चाहिए। उसे बारीकी पर ध्यान देना आना चाहिए। अपने काम के प्रति पैशन होना बहुत जरूरी है।

कोर्स – भारत में चॉकलेट टेस्टर के लिए स्पेशलाइज्ड कोर्स चलाने वाले कुछ ही संस्थान हैं। इन कोर्सें के लिए न्यूनतम योग्यता 12वीं पास है। वैसे अब ग्रेजुएशन के बाद किए जाने वाले कई कोर्स भी उपलब्ध हैं। 12वीं के बाद आप न्यूट्रिशन एंड फूड टेक्नोलॉजी या अप्लाइड साइंस इन फूड टेक्नोलॉजी का कोर्स कर सकते हैं, जिसके तहत चॉकलेट के सिलेक्शन, प्रिजर्वेशन, प्रोसेसिंग, पैकेट डिस्ट्रिब्यूशन, न्यूट्रिशन आदि की जानकारी दी जाती है। इन कोर्सेज के तहत विद्यार्थी को योरप, अमेरिका आदि की चॉकलेट्स की विभिन्न वैरायटी, चॉकलेट का इतिहास, कोको बीन्स, टेस्टिंग, चॉकलेट के एडेड फ्लेवर्स, डिपिंग, टेम्परिंग, मोल्डिंग, डेकोरेटिंग आदि की जानकारी दी जाती है।

सैलरी – शुरूआती दौर में चॉकलेट टेस्टर को 20,000 रुपए महीने की सैलरी मिल सकती है। उसके बाद अनुभव एवं काम के आधार पर यह बढ़ती जाती है। अगर विदेश जाते हैं, तो और भी अच्छी आमदनी कर सकते हैं।

चुनौतीपूर्ण पेशा है मसाज थेरेपिस्ट

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में लोगों के लिए खुलकर सांस ले पाना भी मुश्किल हो गया है। बढ़ती स्पर्धा के कारण कम या ज्यादा तनाव का रहना भी रोजमर्रा की बात हो गई है। दैनिक जीवन से जुड़ी इन थका देने वाली समस्याओं से पार पाने के लिए लोग नए उपायों को तलाश रहे हैं। मसाज ऐसा ही एक उपाय है, जो व्यक्ति को आराम पहुंचाकर उसे फिर से ऊर्जा से भर देता है। अगर आप उपचार की वैकल्पिक पद्धतियों में विश्वास करते हैं और अपने हाथों से काम करने में खुशी महसूस करते हैं, तो आप मसाज थेरेपिस्ट के रूप में काम कर सकते हैं।

मसाज की शुरुआत

उपचार की एक विधा के रूप में मसाज के प्रयोग का आरंभ जिन परंपराओं और तकनीकों से हुआ, उनके प्रमाण प्राचीन इतिहास में मिलते हैं। भारत में मसाज थेरेपी की शुरुआत करीब तीन हजार ईसा पूर्व में हुई थी। आधुनिक समय में मसाज के लाभकारी प्रभावों को नए सिरे से तलाशा जा रहा है। मसाज थेरेपी की उपयोगिता के कारण इसकी मांग लगातार बढ़ रही है। इस वजह से वैकल्पिक स्वास्थ्य सेवाओं पर आधारित उद्योग क्षेत्र (वेल्नेस इंडस्ट्री) के दायरे में भी वृद्धि हुई है। नतीजा पेशेवर मसाज थेरेपिस्टों की मांग भी पैदा हो रही है।

पेशे के रूप में मसाज थेरेपिस्ट के काम को देखें, तो यह एक ऐसा कार्य है, जो अच्छी कमाई के साथ-साथ क्लाइंट (मसाज कराने वाले) से दुआएं और शुभकामनाएं पाने का मौका देता है। लोग किसी मसाज थेरेपिस्ट के पास इसलिए जाते हैं, ताकि वह तनाव और चिंता से मुक्त होकर शारीरिक और मानसिक सुकून हासिल कर सकें। उम्मीद के मुताबिक मसाज थेरेपिस्ट की सेवा का लाभ मिलने पर क्लाइंट खुद को इतना आनंदित महसूस करते हैं कि संबंधित थेरेपिस्ट के प्रति कृतज्ञता भी व्यक्त करने लगते हैं।

मसाज थेरेपिस्ट का कार्य

मसाज के दौरान उंगुलियों, हथेलियों और कोहनी का इस्तेमाल करके क्लाइंट के शरीर की मालिश की जाती है। इससे शरीर में रक्त का प्रवाह बेहतर होता है, तंत्रिकाओं की सक्रियता बढ़ती है और मांसपेशियों को आराम मिलता है। इन लाभों की वजह से ही मसाज थेरेपी का प्रयोग तनाव, थकान, पुरानी बीमारियों और दुर्घटनाओं के कारण शरीर को पहुंची चोटों के ईलाज में किया जाता है। मसाज थेरेपिस्ट अपना काम शुरू करने से पहले मसाज के लिए आने वाले मरीजों की मेडिकल हिस्ट्री, खानपान और जीवनशैली से जुड़ी आदतों का अध्ययन करते हैं। फिर अपने निष्कर्षो के आधार पर थेरेपिस्ट संबंधित क्लाइंट के लिए उपचार की एक योजना (ट्रीटमेंट प्लान) तैयार करते हैं। क्लाइंट के शारीरिक लक्षणों और उपचार के प्रभाव को देखते हुए वह उपचार योजना में बदलाव भी करते हैं। मसाज के लिए थेरेपिस्ट कई तरीकों का इस्तेमाल करते हैं। कभी वह क्लाइंट के तनाव को कम करने के लिए मसाज के दौरान शरीर के कुछ भागों पर अतिरिक्त दबाव देते हैं, तो कभी खास औषधीय गुण वाले तेलों का प्रयोग करते हैं। रोग की प्रकृति के अनुसार मसाज थेरेपी की अवधि भी अलग-अलग होती है। यह कुछ महीने से लेकर सालभर तक हो सकती है। उपचार के बाद थेरेपिस्ट अपने क्लाइंट को बेहतर दिनचर्या और स्वास्थ्य के लिए जरूरी सलाह भी देते हैं। वह क्लाइंट के स्वास्थ्य और उपचार से संबंधित विस्तृत रिकॉर्ड भी रखते हैं, जो जरूरत के समय क्लाइंट के डॉक्टर या फिजियोथेरेपिस्ट के लिए मददगार साबित होते हैं। यह पेशा काम के लंबे घंटों की मांग करता है। क्लाइंट की आवश्यकता और उनकी संख्या के अनुसार लगातार घंटों तक काम करना पड़ सकता है। कई बार साप्ताहिक अवकाश और शाम के समय भी काम करना पड़ जाता है। आमतौर पर किसी एक क्लाइंट के मसाज पर 45 मिनट से दो घंटे तक का वक्त देना पड़ता है। समय की यह अवधि क्लाइंट की चिकित्सकीय जरूरत पर निर्भर करती है।

रोजगार के अवसर

मसाज थेरेपिस्ट को स्पा, ब्यूटी सलून, हॉलिस्टिक हेल्थ क्लिनिक, फिटनेस सेंटर में नियुक्त किया जाता है। इसके अलावा उन्हें खिलाड़ियों को चुस्त-दुरुस्त रखने के लिए खेल टीमों और स्पोर्ट्स क्लबों में भी रखा जाता है। नौकरी करने का मन न होने पर मसाज थेरेपिस्ट स्वतंत्र रूप से भी काम कर सकते हैं। अपनी इस भूमिका में वह क्लाइंट के घर जाकर या उसके कार्यस्थल पर पहुंचकर अपनी सेवाएं दे सकते हैं।

मसाज के हैं कई प्रकार

» अरोमाथेरेपी मसाज »थाई मसाज »हॉट स्टोन मसाज
» आयुर्वेदिक मसाज » रिफ्लेक्सोलॉजी शिअत्सु

अपने करियर में एक नए क्रिएटिव दौर की शुरुआत कर रही हैं सयानी गुप्ता

एक्ट्रेस सयानी गुप्ता को बड़ी उपलब्धि मिली है। उन्हें कहानी कहने के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए हार्वर्ड साउथ एशियन एसोसिएशन ने 'पर्सन ऑफ द ईयर' अवॉर्ड से नवाजा है। अभिनेत्री का ग्लोबल लेवल पर सांस्कृतिक प्रभाव बढ़ा है। यह सम्मान अलग-अलग क्षेत्रों में साउथ एशियन लोगों की बड़ी उपलब्धियों के लिए दिया जाता है। यह सम्मान उन लोगों को पहचान देता है जिनके काम ने वैश्विक स्तर पर पहचान बनाई हो। एसोसिएशन ने एक ऑफिशियल बयान जारी किया, जिसमें कहा गया, 'हम हर साल ऐसे किसी व्यक्ति को सम्मानित करते हैं, जिसके काम ने सार्वजनिक जीवन में साउथ एशियन पहचान को व्यक्त करने के तरीके को आकार दिया हो।'उनके काम की तारीफ करते हुए एसोसिएशन ने कहा, 'सयानी की एक्टिंग ने लगातार पुरानी सोच को चुनौती दी है। वह आज के दौर की कहानियों में गहराई, बेबाकी और सच्चाई लाई हैं। वह सबको साथ लेकर चलने वाली कहानियों को आकार देने में एक दमदार आवाज बन गई हैं।'

निर्देशक बनेंगी सयानी

एक्टिंग के अलावा, सयानी अब अपने करियर में एक नए क्रिएटिव दौर की शुरुआत कर रही हैं। अब वह लेखक और निर्देशक की भूमिका निभाएंगी।

इन फिल्मों में नजर आईं सयानी

बता दें कि सयानी ने अपनी एक्टिंग के दम पर अपने लिए एक मजबूत जगह बनाई है। वह गहराई और लीक से हटकर चुने गए किरदारों के लिए जानी जाती हैं। सयानी 'फोर मोर शॉट्स प्लीज!', 'एक्सोन', 'आर्टिकल 15', 'इनसाइड एज' और 'दिल्ली क्राइम' जैसे प्रोजेक्ट्स में अपने काम के लिए काफी मशहूर हैं।

पूजा हेगड़े ने शेयर किए फिल्म 'रेट्रो' के सेट से जुड़े किस्से

अभिनेत्री पूजा हेगड़े की तमिल रोमांटिक-एक्शन फिल्म 'रेट्रो' ने रिलीज के एक साल पूरे कर लिए हैं। इस अवसर पर अभिनेत्री फिल्म की यादों में खोती नजर आईं। उन्होंने सोशल मीडिया के जरिए अपनी फिल्म से जुड़ी कुछ अनसुनी और रोमांचक यादें प्रशंसकों के साथ शेयर कीं। पूजा ने इंस्टाग्राम पर फिल्म के सेट से कुछ बीटीएस तस्वीरें और वीडियो पोस्ट किए। अभिनेत्री ने अपनी पोस्ट के जरिए बताया कि फिल्म बनाना किसी साहसिक सफर से कम नहीं था। अभिनेत्री ने लिखा, 'फिल्म रेट्रो के रिलीज को एक साल पूरा। शूटिंग के दौरान हमने कई बड़ी चुनौतियों का सामना किया। शूटिंग के समय कई बार तूफान आए, काम करते वक्त मेरा लिगामेंट भी फट गया था, जिससे मुझे काफी चोटें आईं। हर तरफ कीचड़ और फिसलन थी, लेकिन इस दौरान हमारी टीम का जज्बा कम नहीं हुआ। अभिनेत्री ने आगे एक हैरान कर देने वाली घटना का भी जिक्र किया। उन्होंने बताया कि एक बार शूटिंग के दौरान उनकी नाव में आग लग गई थी। पूजा ने लिखा, 'हमारी नाव में आग लग गई (सुहास, आप हमेशा हीरो रहेंगे) और शूटिंग के वक्त एक ऐसा द्वीप था जहां चारों तरफ सांपों का डेरा था।' अभिनेत्री ने अपनी पोस्ट के जरिए बताया कि तकनीकी रूप से ये सारी चीजें बहुत तनावपूर्ण और मुश्किल होनी चाहिए थीं, लेकिन असलियत में ऐसा नहीं था। उन्होंने लिखा, 'वहां बहुत शांति और अच्छा माहौल था। हम सबस खूब हंसी-मजाक करते थे। सबसे बड़ी बात यह थी कि हम कुछ ऐसा बना रहे थे, जो पूरी तरह से दिल से और सिनेमा के प्रति प्यार के लिए था, जब आप सही लोगों के साथ काम करते हैं, तो सबसे कठिन दिन भी आसान लगने लगते हैं।'

कार्तिक सुब्बाराज द्वारा निर्देशित तमिल रोमांटिक एक्शन फिल्म 'रेट्रो' में पूजा के साथ सूर्या मुख्य भूमिकाओं में थे। 'लव-लाफ्टर-वॉर' उपशीर्षक वाली इस फिल्म का निर्माण स्टोन बेंच क्रिएशंस और 2डी एंटरटेनमेंट द्वारा किया गया। इसमें सूर्या (परी) एक अपराधी पिता द्वारा पाले गए व्यक्ति की भूमिका में हैं, जो अपनी प्रेमिका, रुक्मिणी (पूजा हेगड़े) के साथ शांतिपूर्ण जीवन जीने के लिए हिंसक अतीत को छोड़ना चाहता है, लेकिन उसका हिंसक अतीत उसे नहीं छोड़ता।

कानून, न्याय और सत्ता के बीच चलने वाली खींचतान को दिखाएगी 'सिस्टम'

आज के समय में ओटीटी प्लेटफॉर्म पर ऐसी फिल्मों की मांग बढ़ गई है, जो समाज के असली मुद्दों को दिखाती हों। इसी कड़ी में अब एक नई फिल्म 'सिस्टम' सामने आने वाली है, जो कानून, न्याय और सत्ता के बीच चलने वाली खींचतान को दिखाएगी। यह फिल्म एक ऐसी कहानी लेकर आ रही है, जिसमें दो अलग-अलग दुनिया की महिलाएं एक साथ आकर सच को सामने लाने की कोशिश करती हैं। फिल्म 'सिस्टम' 22 मई 2026 को प्राइम वीडियो पर रिलीज होगी। यह एक लीगल ड्रामा फिल्म है, जिसमें दिखाया जाएगा कि कैसे एक ताकतवर सरकारी वकील और एक साधारण स्टेनोग्राफर मिलकर उन सच्चाइयों को सामने लाने की कोशिश करते हैं, जिन्हें लंबे समय से दबाया गया है। कहानी में कई ऐसे मोड़ आते हैं, जहां उन्हें यह तय करना पड़ता है कि वे सत्ता का साथ दें या सही का। इस फिल्म में सोनाक्षी सिन्हा ने नेहा राजवंश नाम की पब्लिक प्रॉसिक्यूटर का किरदार निभाया है, जो अपने काम में बहुत मजबूत और आत्मविश्वासी है। वहीं ज्योतिका सरिका रावत के रोल में नजर आएंगी, जो एक साधारण परिवार से आने वाली कोर्ट स्टेनोग्राफर है। दोनों की सोच, परवरिश और जिंदगी बिल्कुल अलग है, लेकिन जब बात न्याय की आती है तो वे एक साथ खड़ी होती हैं। फिल्म में इन दोनों का रिश्ता धीरे-धीरे मजबूत होता हुआ दिखाया जाएगा।

फिल्म के प्रोड्यूसर हरमन बावेजा ने कहा, '''सिस्टम' दो ऐसी महिलाओं की कहानी है, जो अपने-अपने तरीके से न्याय को समझती हैं और उसे पाने के लिए संघर्ष करती हैं। सोनाक्षी सिन्हा, ज्योतिका और आशुतोष गोवारिकर जैसे कलाकारों ने अपने अभिनय से इस कहानी को और भी प्रभावशाली बना दिया है।''

फिल्म का निर्देशन अश्विनी अय्यर तिवारी ने किया है। फिल्म में प्रीति अग्रवाल, आदिनाथ कोठारे, आश्रिया मिश्रा, गौरव पांडे और सयानदीप गुप्ता भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। वहीं प्राइम वीडियो और अमेजन एमजीएम स्टूडियोज इंडिया में ओरिजिनल कंटेंट के प्रमुख निखिल मधोक ने भी फिल्म को लेकर अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा, 'सिस्टम' एक ऐसी कहानी है, जो दर्शकों को शुरुआत से अंत तक बांधे रखेगी।

अनीस बज्मी की फिल्म की शूटिंग के बीच अक्षय कुमार ने लिया ब्रेक!

अभिनेता अक्षय कुमार अपनी हालिया रिलीज हुई फिल्म 'भूत बंगला' को लेकर सुर्खियों में हैं। प्रियदर्शन के साथ उनकी यह फिल्म हिट हो गई है। अब उन्होंने फिल्ममेकर अनीस बज्मी के साथ अपनी अगली फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है। इस बीच खबर आ रही है कि बहुत मसरूफ होने के बावजूद उन्होंने एक जरूरी काम के लिए वक्त निकाल लिया है। अक्षय कुमार ने अपनी आंखों की सर्जरी करवाई है। यह नजर ठीक करने के लिए थी। अक्षय अब थोड़ा ब्रेक लेंगे और आराम करेंगे। उन्होंने अनीस बज्मी के साथ अपनी अगली फिल्म का केरल शेड्यूल भी पूरा कर लिया है, जिसमें विद्या बालन और राशि खन्ना भी नजर आएंगी।' हाल ही में अक्षय कुमार ने सोशल मीडिया पर विद्या बालन और राशि खन्ना के साथ अपनी एक अपकमिंग फिल्म को लेकर पोस्ट शेयर किया है। इस पोस्ट में अक्षय ने अपकमिंग फिल्म के बारे में अहम जानकारी दी है। अक्षय कुमार ने पोस्ट में लिखा कि अच्छी जगह पर खूबसूरत लोगों के साथ काम करना बहुत अच्छा लगता है। उन्होंने निर्देशक अनीस बज्मी की तारीफ की और पूरी टीम को 'अद्भुत' बताया। इस तस्वीर के साथ अक्षय ने बताया कि उन्होंने अपनी अपकमिंग फिल्म की शूटिंग का केरल का पहला शेड्यूल पूरा कर लिया है।

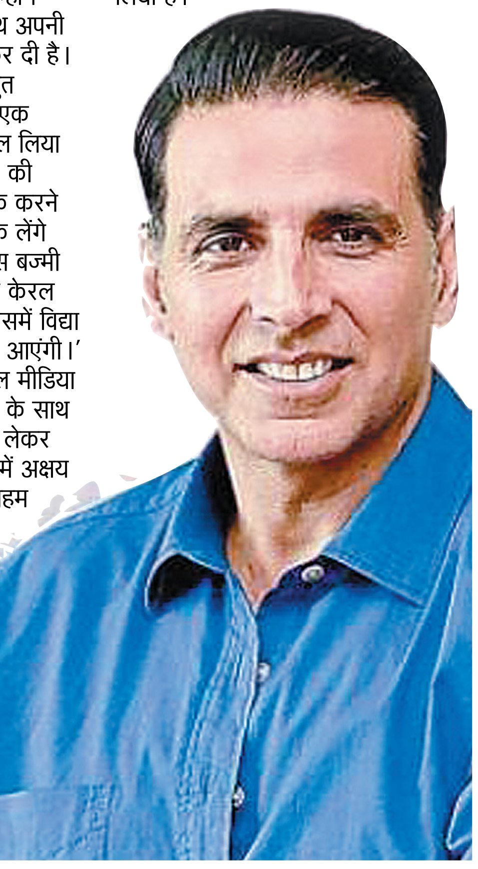

रसिका दुग्गल संग पहली बार जमेगी सैफ अली खान की जोड़ी

अभिनेता सैफ अली खान की क्राइम थ्रिलर 'कर्तव्य' ओटीटी पर स्ट्रीम होने के लिए तैयार है। फिल्म में सैफ एक ऐसा किरदार निभाते नजर आएंगे, जो अपने पेशेवर 'कर्तव्य' और 'परिवार' के बीच बुरी तरह फंसा हुआ है। फिल्म में अभिनेता पहली बार रसिका दुग्गल के साथ स्क्रीन शेयर करते दिखेंगे। अभिनेत्री रसिका अपनी बेहतरीन अदाकारी और संजीदा किरदारों के लिए जानी जाती हैं। उन्होंने फिल्म में सैफ अली खान के साथ काम करने के अपने अनुभव को 'शानदार' बताया। उन्होंने सैफ की तारीफ करते हुए कहा कि उनके साथ काम करना बेहद सहज और मजेदार रहा। उन्होंने सैफ के व्यक्तित्व पर रोशनी डालते हुए कहा, 'सेट पर एक ऐसा सह-कलाकार मिलना वाकई सुखद होता है, जिसका सेंस ऑफ ह्यूमर कमाल का हो। सैफ के साथ काम करना मनोरंजन से भरपूर था। वह न केवल एक बेहतरीन अभिनेता हैं, बल्कि एक बहुत अच्छे इंसान भी हैं।' रसिका ने फिल्म जगत में सैफ अली खान के लंबे और सफल करियर की भी सराहना की। सैफ ने समय के साथ खुद को लगातार बदला है और हर बार एक नए अंदाज में दर्शकों के सामने आए हैं। यही कारण है कि वह आज भी इंडस्ट्री के सबसे प्रतिभाशाली अभिनेताओं में गिने जाते हैं।

गौरव खन्ना ने रोहित शेट्टी के साथ काम करने के अनुभव पर खुलकर बात की

अभिनेता गौरव खन्ना इन दिनों स्टंट बेस्ड रियलिटी शो 'खतरों के खिलाड़ी' को लेकर सुर्खियों में हैं। खास बातचीत में गौरव ने अपनी जिंदगी के संघर्षों, मुंबई आने के सफर और बिना गॉडफादर के मुकाम हासिल करने पर खुलकर बात की। उन्होंने नए शो को लेकर परिवार के रिएक्शन, रोहित शेट्टी के साथ काम करने के अनुभव और जिंदगी में जोखिम लेने की अपनी आदत पर भी चर्चा की।

'खतरों के खिलाड़ी' में हिस्सा लेने जा रहे हैं, फैंस को आपसे काफी उम्मीदें हैं?

बड़ा अच्छा लगता है जब दर्शक इतना भरोसा दिखाते हैं। पिछले रियलिटी शो (बिग बॉस) में लोगों ने मुझे मेरे असली रूप में देखा। अभी तक वे मुझे सिर्फ किरदारों से जानते थे, लेकिन अब वे असली गौरव (जीके) को जानते हैं। मेरी यही कोशिश रहेगी कि मैं उनकी उम्मीदों पर खरा उतरूं और उन्हें एंटरटेन करता रहूं।

इस शो में जीके (गौरव खन्ना) क्या खास करने वाले हैं?

जीके इस शो में स्टंट करेगा। जीके जिस भी शो में जाता है, वहां जो भी रिक्वायरमेंट होती है, वो जरूर पूरी करता है।

शो के लिए आपकी क्या तैयारी है?

मैं कभी कुछ सोचकर नहीं जाता। मैं खुद को उस परिस्थिति में डालता हूं और रिक्वायरमेंट के हिसाब से परफॉर्म करने की कोशिश करता हूं। मुझे स्टंट्स का कोई एक्सपीरियंस नहीं है, मैं पहली बार यह सब कर रहा हूं।

शो का ऑफर आने पर घर वालों का कैसा रिएक्शन था?

मेरे माता-पिता कानपुर में रहते हैं और बहुत साधारण लोग हैं। जब मेरी मां को पता चला तो वे चिंतित हो गईं। उन्होंने कहा- 'तुम क्यों जा रहे हो? तुम्हें क्या जरूरत है, करियर तो अच्छा खासा चल रहा है।' उन्होंने ऐसा ही मास्टरशेफ और बिग बॉस के टाइम भी कहा था। मैंने उन्हें इस बार भी नहीं बताया था। सच कहूं तो शो का कॉन्ट्रैक्ट साइन करने वाला मैं सबसे आखिरी इंसान था।

आपने शो करने का फैसला कैसे लिया?

मेरे पिता ने मेरा हौसला बढ़ाया और कहा कि तुम्हें यह करना चाहिए। मुझे लगा कि एक-दो शो जीतने के बाद हम अक्सर अपने कंफर्ट जोन में चले जाते हैं। लेकिन मजा तो इसी में है कि खुद को परखा जाए। मैं कॉर्पोरेट लाइन से एक्टर बना और फिर रियलिटी शोज में आया। जब तक कुछ नया करने का जज्बा है, लाइफ में ग्रोथ होती रहेगी। पत्नी आकांक्षा का रिएक्शन भी बिंदास था, उसने तुरंत कहा- 'करो!'

लाइफ में आपने अब तक का सबसे बड़ा जोखिम क्या लिया है?

अपने कंफर्ट जोन को छोड़ना। सबसे पहले अपने घर को छोड़कर इतने बड़े शहर (मुंबई) में आना, वह भी बिना किसी प्लान के। मुझे कोई इल्म नहीं था कि मैं एक्टिंग करूंगा। ना किसी को जानता था, ना कोई परिवार था, ना ही कोई गाइडेंस या गॉडफादर था। आज जब पीछे मुड़कर देखता हूं, तो लगता है कि लाइफ में काफी रिस्क लिए हैं।

उस गौरव को क्या कहेंगे जो सालों पहले बिना किसी जुगाड़ के मुंबई आया था?

मैं उसे बस यही कहूंगा कि 'खुद पर विश्वास रख।' आज भी मुझे वही चीज काम आती है जो 20 साल पहले आई थी। अगर मैं उस समय अपने विश्वास से डगमगा जाता, तो शायद मैं इस लाइन में कभी नहीं आता और कॉर्पोरेट में ही रह जाता। मुझे लाइफ में रिग्रेट नहीं करना है, बस कुछ आउट ऑफ द बॉक्स करना है।

रोहित शेट्टी के साथ काम करने को लेकर क्या सोच रहे हैं?

मैं उनसे बिग बॉस के एक वीकेंड का वार में मिला था। उनकी वाइब एक बड़े भाई जैसी है, जो मजाक-मजाक में बड़ी बातें समझा देते हैं। उनकी गाइडेंस में स्टंट सीखना इस शो को करने की एक बड़ी वजह है। वाट तो लगेगी, ऐसा नहीं है कि मैं पत्थर का बना हूं और मुझे डर नहीं लगता। डर सबको लगता है, बस उसे ही ओवरकम करना है।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।